{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 03 मई 2026
वैशाख कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 218
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

गर्मी के बीच मप्र, यूपी-बिहार समेत 9 राज्यों में आंधी-बारिश

बालाघाट-सीहोर में पेड़ गिरे, रायसेन में वेयरहाउस की छत उड़ी

भोपाल/नई दिल्ली। भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत मिलेगी। देश के 9 राज्यों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरने का अलर्ट है। इससे तापमान में 3-5 डिग्री तक की गिरावट होगी। मप्र में भी आंधी-बारिश होने के साथ ओले भी गिर रहे हैं। शनिवार को दोपहर बाद भोपाल, रायसेन और बालाघाट में बारिश हुई। रायसेन में किसानों का गेहूं भीग गया। बालाघाट और सीहोर में पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कश्मीर की चिनाब घाटी में लैंडस्लाइड के कारण डोडा-किश्तवाड़ रोड पूरी तरह बंद हो गई है। सड़क पर मलबा आने की वजह से 100 से ज्यादा गाड़ियां जाम में फंस गई हैं।

मप्र में भीषण गर्मी के दौर के बीच आंधी-बारिश होने के साथ ओले भी गिर रहे हैं। शनिवार को दोपहर बाद भोपाल में बारिश हुई। रायसेन के कई गांवों में तेज आंधी चली। छुब्बर गांव में हरशिव वेयरहाउस की टीन की छत उड़ गई। 5000 मीट्रिक टन क्षमता वाले इस वेयरहाउस में सरकारी मूंग रखी है। बरेली और बाड़ी में किसानों का अनाज भीगने से सरकारी खरीदी प्रभावित हुई है। सीहोर के इछावर, बोरदी, झालकी और भाऊखेड़ी में आंधी के साथ पानी गिरा। बोरदी में विनायक वेयरहाउस पर 2 किलोमीटर तक खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रखी फसल भीग गई। बालाघाट में दोपहर 1.30 बजे के बाद गरज-चमक के बाद तेज बारिश हुई। नगर पालिका परिसर में लगा एक पेड़ तेज हवा से गिर गया, जिसके नीचे एक बाइक दब गई। सीहोर में श्यामपुर रोड पर जाखाखेड़ी में पेड़ सड़क पर गिरा। ब्यावरा में आंधी से दुकानों के फ्लैक्स उड़ गए। पिपरिया में शाम करीब 4 बजे धूल भरी आंधी चली। हल्की बूंदाबादी भी हुई।

भोपाल के रातीबड़ में बरगद का पेड़ मकान पर गिरा

भोपाल के रातीबड़ इलाके के बेरखेड़ी में तेज आंधी के दौरान एक विशाल बरगद का पेड़ मकान पर गिर गया। हादसे में घर को नुकसान पहुंचा है। मौके पर स्थानीय लोग जुटे हैं, फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में शनिवार शाम अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी और बारिश से कई जगह पेड़ गिरे और बिजली लाइनें टूट गईं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। सिंधी कॉलोनी और अन्य इलाकों में रास्ते बाधित रहे। सराफा बाजार में 5000 लीटर की पानी की टंकी सड़क पर गिर गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

हरदा में आंधी-तूफान के साथ पेड़ गिरे

हरदा में शनिवार शाम अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी-तूफान के साथ बूंदाबांदी हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं कई जगह पेड़ गिरने की खबरें सामने आई हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। डिंडौरी में शाम करीब 5 बजे के बाद अचानक मौसम बदल गया। आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो अब भी जारी है। इस दौरान हवा की रफ्तार करीब 25 से 30 किमी प्रति घंटा रही। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

नरसिंहपुर में आंधी-बारिश से ग्रामीण इलाकों में पेड़ गिरे

नरसिंहपुर में तेज आंधी के साथ हुई बारिश का असर ग्रामीण इलाकों में ज्यादा देखने को मिला। कई जगहों पर पेड़ गिर गए, जिससे ग्रामीण सडकों पर आवाजाही प्रभावित हुई है। कुछ इलाकों में बिजली सप्लाई भी बाधित होने की आशंका है।

साउथ 24 परगना में भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

बंगाल में 15 बूथों पर 87 प्रतिशत मतदान

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विधानसभा के कुल 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा मतदान हुआ है। साउथ 24 परगना में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। वहीं फालता में वोटर्स ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वोटिंग के बाद टीएमसी के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जब वे इसका विरोध कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। कई लोगों को पैर में, सिर में और हाथ में चोट आई है। वहीं, टीएमसी ने आरोप लगाया कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं से मारपीट की। शाम 5 बजे तक करीब 87 प्रतिशत मतदान हुआ है। मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में 87.60 प्रतिशत वोटिंग हुई। वहीं चुनाव आयोग ने बंगाल में 165 अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वर और 77 पुलिस ऑब्जर्वर तैनात किए हैं।

दरअसल, 29 अप्रैल को इन बूथों पर दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायत मिली थी। इसके चलते दोबारा वोटिंग का फैसला लिया गया। ये सभी बूथ दक्षिण 24 परगना जिले में आते हैं। वहीं, टीएमसी ने कोलकाता खुदीराम अनुशीलन केंद्र के रिटर्निंग ऑफिसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी का दावा है कि पोस्टल बैलेट कवर से छेड़छाड़ हुई है। राज्य की सभी 294 सीटों पर रिकॉर्ड 92.84 प्रतिशत वोटिंग हुई। 23 अप्रैल को फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर 93.19 प्रतिशत मतदान हुआ था। 29 अप्रैल को सेकेंड फेज की 142 सीटों पर 92.48 प्रतिशत वोट पड़े। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

खास खबर

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती बोर्ड के चेयरमैन

नई दिल्ली। गीतकार प्रसून जोशी को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जोशी को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए उन्हें एक दुर्लभ रचनात्मक व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी जी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई। प्रसून जी एक दुर्लभ रचनात्मक व्यक्तित्व हैं, जिन्हें विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा जगत में विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है, फिर भी उनका हृदय भारत के लिए धड़कता है।

एनएच-48 पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल, बिना रुके गुजरेंगे वाहन

अहमदाबाद। भारत में पहली बार एनएच 48 पर बैरियर-फ्री टोल प्रणाली शुरू की गई है, जिससे वाहनों को अब टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस नये बेरियर का शुभारंभ किया। इस सिस्टम में हाई-रिजोल्यूशन कैमरे और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन तकनीक का उपयोग किया गया है। जिससे टोल वाहन मालिक के खाते से कट जाएगा। सरकार के अनुसार,इससे टोल मे जो जाम लगता था, अब नहीं लगेगा। यात्रा का समय घटेगा, ईंधन की बचत होगी। साथ ही प्रदूषण भी कम होगा। अनुमान है कि इस पहल से हजारों करोड़ रुपये की बचत और टोल से अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। परिवहन मंत्रालय का मानना है कि 6000 करोड रुपए का अतिरिक्त राजस्व सरकार को प्राप्त होगा।

कोयले की स्लरी में दबकर 4 मजदूरों की मौत

धनबाद । झारखंड के धनबाद जिले से शनिवार शाम एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की मुनीडीह कोल वाशरी परियोजना में स्लरी लोडिंग के दौरान अचानक कोयले का भारी ढेर मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक 4 ठेका मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्रकों में स्लरी लोड करने का काम चल रहा था, तभी अचानक स्लरी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बीसीसीएल प्रबंधन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

कुछ ना कहना

एग्जिट पोल्स के जरिए शेयर बाजार में हेरफेर की कोशिश, ममता बनर्जी बोलीं

टीएमसी जीत रही है 200 सीटें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 29 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग के बाद आए एग्जिट पोल्स की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि बीजेपी को एग्जिट पोल्स में जीत दिखाकर शेयर मार्केट में हेरफेर करने की कोशिश की जाएगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने एग्जिट पोल्स को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में टीएमसी इस बार के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 200 से ज्यादा सीटें जीतने जा रही है। बता दें कि दीदी वोटों की काउंटिंग से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करते हुए उन्हें जमीनी स्तर पर लगातार संघर्ष करने के लिए बधाई दी।

ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करने के लिए कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि टीएमसी चुनाव जरूर जीतेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि एग्जिट पोल का इस्तेमाल शेयर बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने के एक जरिया के तौर पर किया जा रहा है।

अभिषेक ने भजापा और मीडिया पर लगाया आरोप

मतगणना से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली ममता के संबोधन के बाद डायमंड हार्बर के लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी उनकी बातों का समर्थन किया।

'पल्लू' टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी का बीजेपी पर हमला, पार्टी ने आरोपों को बताया निराधार

पालनपुर । गुजरात की राजनीति में एक बयान को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गुजरात बीजेपी अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा की ओर से कांग्रेस सांसद जेनीबेन ठाकोर पर की गई कथित 'पल्लू' टिप्पणी ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। गुजरात भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कथित तौर पर कहा कि भाजपा ने 30 साल बाद बनासकांठा जिला पंचायत को ठाकोर की साड़ी के पल्लू से अपने नियंत्रण में ले लिया है।

इस बयान को लेकर विपक्ष ने बीजेपी पर महिलाओं के सम्मान को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर बीजेपी पर तीखा हमला बोला। सोशल मीडिया पर जारी बयान में राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी की 'नारी वंदना' का मुखौटा उतर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति बीजेपी की सोच को उजागर करता है। राहुल ने कहा कि सत्ता से सवाल करने वाली महिलाओं को अपमानित करना बीजेपी की मानसिकता को दिखाता है।

विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब पालनपुर में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान जगदीश विश्वकर्मा का बयान सामने आया, जिसे कांग्रेस ने महिला विरोधी और अपमानजनक बताया। कांग्रेस नेताओं ने इसे देश की महिलाओं का अपमान करार दिया है।

वहीं बीजेपी ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बयान को संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है और विपक्ष राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है।

अब यह विवाद गुजरात से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बन चुका है, जहां महिला सम्मान और राजनीतिक भाषा पर नई बहस छिड़ गई है।

'इंडी गठबंधन के समर्थकों ने फोन हैक किया, केंद्र सरकार के आपदा अलर्ट पर आई रिएक्शन की बाढ़

नई दिल्ली। देशभर में हाल ही में मोबाइल फोन पर अचानक तेज अलार्म बजने से लोगों में कुछ समय के लिए घबरा गए। इसके बाद में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि यह किसी साइबर अटैक या तकनीकी खराबी का संकेत नहीं था, बल्कि आपदा प्रबंधन के तहत चल रहे अलर्ट सिस्टम का परीक्षण था। इस तरह के परीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि आपातकालीन स्थिति में लोगों तक तुरंत सूचना पहुंचाई जा सके। हालांकि, इस अलर्ट के अचानक आने से कई लोग घबरा गए और उन्होंने एक्स पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। कई यूजर्स ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि अलर्ट इतना तेज और अप्रत्याशित था कि उन्हें लगा जैसे फोन में कोई गंभीर खतरा हुआ है। एक यूजर ने कहा कि मुझे लगा फोन 'बम' बनने वाला है, जबकि दूसरे ने इस 'मिनी हार्ट अटैक' जैसा अनुभव बताया। जिन लोगों को पहले से इस टेस्ट की जानकारी नहीं थी, वे ज्यादा घबराए हुए नजर आए। इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। कुछ यूजर्स ने तंज कसा और मजाक में कहा कि उन्हें लगा उनका फोन किसी राजनीतिक समूह, खासकर इंडिया गठबंधन के समर्थकों द्वारा हैक किया गया है। वहीं कुछ अन्य यूजर्स ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर अनावश्यक डर पैदा करने वाला कदम बताया। कुछ प्रतिक्रियाएं व्यंग्यात्मक थीं, जिनमें सरकार और उसकी नीतियों पर कटाक्ष किया गया।

अजय राय की तबीयत स्थिर, राहुल गांधी ने की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की तबीयत में सुधार आया है और वे फिलहाल लखनऊ के एक निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अजय राय के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राय के अस्वस्थ होने के समाचार से चिंतित हूं। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। आशा है कि वे जल्द से जल्द स्वस्थ हों और फिर से पूरी शक्ति के साथ जन सेवा में सक्रिय हो जाए। कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी राय के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त कर उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है। कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडे ने बताया कि अब उनकी तबीयत ठीक और स्थिर है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने बताया कि अजय राय की तबीयत कल रात अचानक खराब होने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

दिल्ली में जज ने की आत्महत्या, मामले की जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में शनिवार को एक जज ने आत्महत्या कर ली। 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा कडकड़डूमा अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के रूप में कार्यरत थे। वे अपने घर में मृत पाए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस को डीडी नंबर 34 के तहत एक पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत ग्रीन पार्क मेन स्थित यू-4ए, प्रथम तल पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि अमन कुमार शर्मा अपने घर के बाथरूम में मृत अवस्था में मिले। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जीजा ने दी घटना की जानकारी

घटना की जानकारी मृतक के जीजा शिवम ने पुलिस को दी, जो डिफेंस कॉलोनी में रहते हैं। पुलिस ने शुरुआती जांच में किसी तरह की साजिश या बाहरी हस्तक्षेप के संकेत नहीं पाए हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है। आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। इसके लिए पुलिस परिजनों, दोस्तों और करीबी सहयोगियों से पूछताछ कर रही है।

अमन कुमार शर्मा ने 19 जून 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने वर्ष 2018 में पुणे के सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से कानून की पढ़ाई पूरी की थी।

मजूदर दिवस पर बोले गडकरी, जो करेगा जात की बात, उसे मारूंगा कस के लात

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान जाति और धर्म के आधार पर राजनीति करने वालों पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, आजकल कई लोग जात-पात और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करते हैं, लेकिन मैं इस राजनीति में विश्वास नहीं करता। जातिगत राजनीति से देश का भला नहीं हो सकता। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बेबाक और मजाकिया अंदाज में कहा, जिस भाव में गैस, पेट्रोल और डीजल हिंदू को मिलता है, उसी रेट पर मुस्लिम को भी मिलता है। इस बात से साफ है कि विकास और सुविधाओं में किसी तरह का भेदभाव नहीं है। मैंने कई नेताओं को देखा है जो मंच से जाति की बात करते हैं और नारे लगाते हैं, लेकिन जब ये निजी तौर पर मिलते हैं, तब अपने बेटे या पत्नी के लिए टिकट मांगते हैं। इसतरह के ढोंगी नेताओं को जनता पहचान चुकी है। जो करेगा जात की बात, उस मारूंगा कस के लात। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे हमेशा खुलकर बोलते हैं और अपने विचारों पर दृढ़ रहते हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, मैं जो बोलता हूं, डंके की चोट पर बोलता हूं। कोई माई का लाल मुझसे यह नहीं पूछ सकता कि मैंने जो कहा वहां किया या नहीं किया। उन्होंने मजदूरों के योगदान को देश निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बताकर कहा कि भारत की प्रगति केवल मशीनों से नहीं, बल्कि लाखों श्रमिकों की मेहनत और समर्पण से संभव हुई है।

क्रूज हादसा- बरगी से निकाले गए दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11 हुई

जबलपुर। बरगी में चल रहे सर्च अभियान के दौरान आज शनिवार शाम विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी (5) निवासी कोतवाली व श्रीतमिल पिता कामराज (5), निवासी वेस्टलैंड खमरिया का शव पाया गया। दो शव और मिलने के बाद क्रूज हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 11 पहुंच गई है। बरगी बांध में गुरुवार को डूबे क्रूज में सवार लापता चार पर्यटकों में से दो बच्चों के शव मिल गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। हादसे के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटा हुआ है।

विराज सोनी का शव शनिवार शाम 6 बजे घटनास्थल के पास मिला है। शव को सफेद कपड़े में लपेटकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। इसके साथ ही हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज (45) और उनका भतीजा मयूरम अब भी लापता है। सेना के साथ एनडीआरएफ-एसडीआरएफ बोट से सर्चिंग कर रही है। तेज हवा और डैम में उठ रही लहरों के कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही है। मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं। सर्चिंग टीम ने लापता लोगों की तलाश के लिए दायरा बढ़ा दिया है। एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बीच-बीच में सर्चिंग कुछ देर के लिए रोकी जाती है। छोटी बोट होने के कारण तेज हवा में रेस्क्यू अभियान संभलकर चलाना पड़ रहा है। हादसे को हुए 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। अब भी 2 लोगों की बॉडी नहीं मिली है।

मध्य प्रदेश टूरिज्म अधिकारियों ने कहा कि घटना स्थल पूरी तरह पथरीला है, इसलिए यहां मगरमच्छ नहीं देखे गए हैं, क्योंकि वे आमतौर पर कीचड़ वाले स्थान पर रहते हैं। बरगी बांध में मगरमच्छ हो सकते हैं, लेकिन वे घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर हैं। जहां क्रूज डूबा, वहां पहले कभी मगरमच्छ नहीं देखे गए और न ही स्थानीय लोगों ने ऐसा सुना है।

बूढ़ी शराब दुकान के विरोध में विधायक अनुभा मुंजारे का तीखा हमला

प्रदर्शन में पहुंचे विधायक बोली, सरकारी दफ्तर बदल रहे, 50 साल से क्यों नहीं हट रही शराब दुकान

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र में शराब दुकान हटाने को लेकर जारी महिलाओं के आंदोलन में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे एक बार फिर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन और सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों पर जमकर निशाना साधा और शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को जोरदार तरीके से उठाया। विधायक ने कहा कि आज शासकीय कार्यालय एक स्थान से दूसरे स्थान पर लगातार स्थानांतरित किए जा रहे हैं, लेकिन पिछले कई दशकों से संचालित बूढ़ी की शराब दुकान को अब तक नहीं हटाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस मामले में कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक 12 और 25 की जनता के साथ भेदभाव किया जा रहा है और महिलाओं की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। विधायक ने सरकार की नीतियों पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि एक ओर महिलाओं के हित में कानून बनाने की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं की अनदेखी हो रही है। प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति शराब खरीदने दुकान पहुंच गया, जिस पर विधायक ने नाराजगी जताते हुए उसे

फटकार लगाई और शराब वापस कराकर उसके पैसे भी लौटवाए। इस घटना के बाद प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों में चर्चा का माहौल बना रहा। विधायक ने स्पष्ट कहा कि जब तक शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाया नहीं जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ी तो इसे और उग्र रूप दिया जाएगा।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग को लेकर चल रहे महिलाओं के अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन को अब जनप्रतिनिधियों का समर्थन भी मिलने लगा है। 1 मई की रात लगभग 9 बजे बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे धरना स्थल पर पहुंचीं और महिलाओं से चर्चा कर उनके आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। विधायक मुंजारे ने कहा कि जिलेभर में जहां-जहां भी शराब दुकानों के खिलाफ महिलाएं आंदोलन कर रही हैं, वे उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में इस दुकान को लेकर जो विवाद और मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं और इस प्रकार की घटनाओं के जरिए महिलाओं के आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कतई उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा सत्र में भी उठाया था और अपने क्षेत्र के कई ज्वलंत मुद्दों को सरकार के सामने रखा, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए और महिलाओं की मांग पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। विधायक ने यह भी कहा कि महिला जनप्रतिनिधियों को राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर आगे आना चाहिए। उन्होंने महिला सांसद, नगर पालिका अध्यक्ष सहित अन्य महिला प्रतिनिधियों से अपील की कि वे मानवता के आधार पर इस मांग का समर्थन करें और शराब दुकान को हटाने की दिशा में पहल करें। धरना स्थल पर उस समय कुछ देर के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब एक व्यक्ति विधायक के सामने ही शराब खरीदने पहुंच गया। इस पर विधायक मुंजारे ने नाराजगी जताते हुए उसे फटकार लगाई। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए खरीदी गई बोतलें वापस कर दीं और माफी मांगी। इस दौरान वहां मौजूद महिलाओं ने भी विधायक के समर्थन में आवाज बुलंद की और कुछ ने अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। धरना स्थल पर कांग्रेस से जुड़े पार्षद और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद योगराज लिल्हारे, विधायक प्रतिनिधि शफकत खान, अनिल सोनी, पन्ना शर्मा, राजेश ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसजन प्रदर्शन में शामिल हुए और एक स्वर में शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। पार्षदों ने तर्क दिया कि जब शहर से कलेक्टर कार्यालय, एसपी कार्यालय और एसडीएम कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण शासकीय दफ्तरों को स्थानांतरित किया जा सकता है, तो फिर रिहायशी क्षेत्र से शराब दुकान हटाने में क्या बाधा है। विधायक मुंजारे ने भी इस तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि यदि प्रशासनिक कार्यालयों का स्थान परिवर्तन संभव है, तो शराब दुकान को भी अन्यत्र स्थानांतरित किया जाना चाहिए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अलग-अलग वार्डों में महिलाओं के आंदोलनों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक 25 में महिलाओं के आंदोलन को समर्थन मिला और वहां कार्रवाई भी हुई, लेकिन वार्ड क्रमांक 12 की महिलाओं की अनदेखी की जा रही है, जो चिंताजनक है। धरना प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द निर्णय लेने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक शराब दुकान को यहां से हटाया नहीं जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

बालाघाट बस स्टैंड बना अव्यवस्था का अड्डा

अरूण लोधी।

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

नगर का प्रमुख बस स्टैंड इन दिनों बदहाल व्यवस्था, अनियंत्रित यातायात और बढ़ते दबाव के चलते गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए बना यह बस स्टैंड अब खुद परेशानी का कारण बनता जा रहा है। जहां हर दिन अव्यवस्था, जाम और अव्यवस्थित संचालन का नजारा देखने को मिल रहा है।बस चालकों की मनमानी इस समस्या की सबसे बड़ी वजह बनती जा रही है। चालक अपनी सुविधा के अनुसार बसों को कहीं भी खड़ा कर देते हैं।जिससे बस स्टैंड के भीतर और बाहर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। बस स्टैंड में प्रवेश करने वाली और बाहर निकलने वाली बसें एक साथ आमने-सामने आ जाती हैं।जिसके कारण बार-बार जाम की स्थिति निर्मित होती है।

2 मई की दोपहर को भी यही स्थिति देखने को मिली जब एक बस स्टैंड से बाहर निकल रही थी जबकि दूसरी बस अंदर प्रवेश कर रही थी। दोनों बसों के आमने-सामने खड़े हो जाने से पूरे परिसर में जाम लग गया और यात्रियों को काफी देर तक परेशानी झेलनी पड़ी। इस दौरान छोटे वाहन भी बस स्टैंड परिसर में इधर-उधर घूमते नजर आए जिससे हालात और बिगड़ गए।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बस स्टैंड के समीप पुलिस चौकी स्थापित की गई है। लेकिन इसके बावजूद यातायात व्यवस्था में कोई खास सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। पुलिस की मौजूदगी भी बसों की अव्यवस्थित आवाजाही और पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रही है।जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। वर्तमान बस स्टैंड अब अपनी क्षमता से अधिक दबाव झेल रहा है। लगातार बढ़ रही बसों की संख्या और यात्रियों की भीड़ के कारण यह स्थान छोटा पड़ता जा रहा है। ऐसे में यहां सुव्यवस्थित पार्किंग, बसों के लिए अलग-अलग एंट्री-एग्जिट मार्ग और यातायात नियंत्रण की ठोस व्यवस्था की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए और जल्द ही नए, विस्तृत और आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण या वर्तमान व्यवस्था के पुनर्गठन की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। जब तक इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया जाता। तब तक यात्रियों को इसी तरह की अव्यवस्था और परेशानियों का सामना करना पड़ता रहेगा।

रेलवे का सफर पड़ सकता है महंगा, गोंदिया नहीं जाएगी ट्रेन,

आज से 22 मई तक एक्सप्रेस और लोकल ट्रेने रहेंगी प्रभावित,

रीवा-ईतवारी परिवर्तित मार्ग से चलेगी,बिरसोला तक चलेगी लोकल

इमरान कुरैशी।

पदमेश न्यूज। बालाघाट। अगर आप भी गोंदिया रेलवे स्टेशन से चलकर अपने अन्य गंतव्य की ओर जाने वाली लोकल या एक्सप्रेस ट्रेनो से सफर करने की योजना बना रहे हैं तो आपको एक बार फिर से सोचने की जरूरत है।क्यो की गोंदिया से चलकर बालाघाट होते हुए अपने अन्य गन्तव्य की ओर रवाना होने वाली लगभग सभी ट्रेनें 3 से 22 मई प्रभावित रहेंगी।वही कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है।खास तौर पर गोंदिया से रवाना होने वाली रीवा-इतवारी एक्सप्रेस सहित अन्य लोकल ट्रेनों पर गोंदिया स्टेशन में काम के चलते गोंदिया स्टेशन तक ट्रेन संचालन पर ब्रेक लगाया है। जिसके अनुसार रविवार से रीवा-ईतवारी ट्रेन जहां परिवर्तित मार्ग से होकर रवाना होगी।तो वहीं जिले से गोंदिया के बीच चलने वाली लोकल ट्रेने केवल बिरसोला स्टेशन तक ही जाएगी।

गोंदिया रेलवे स्टेशन में चल रहे वॉशेबल एप्रन कार्य के चलते प्रभावित रहेंगी ट्रेनें

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में आने वाले गोंदिया स्टेशन लाईन संख्या 06 में वॉशेबल एप्रन कार्य के चलते कई ट्रेनो के परिचालन, प्रभावित हुआ है। जिसमें व्हाया बालाघाट से होकर चलने वाली रीवा-ईतवारी एक्सप्रेस के अलावा लोकल ट्रेने भी शामिल है। जिसकी सूचना भी रेलवे विभाग द्वारा जारी कर खेद प्रकट किया गया है।

परिवर्तित मार्ग से चलेगी, रीवा इतवारी एक्सप्रेस

रेलवे मंडल द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार बालाघाट से होकर रवाना होने वाली रीवा-ईतवारी एक्सप्रेस के मार्ग को परिवर्तित किया गया है। रीवा से छूटने वाली रीवा-इतवारी 4,6,9,11,13,16 और 18 मई को परिवर्तित मार्ग जबलपुर-नैनपुर-बालाघट होते हुए नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी तक चलेगी। वहीं यही ट्रेन ईतवारी से 03,05,07,10,12,14,17 और 19 मई को इसी रूट से चलेगी।

लोकल ट्रेनें भी हुई प्रभावित

जारी सूचना के अनुसार इस रूट पर चलने वाली लोकल ट्रेनें भी प्रभावित हुई है।जिसमे जबलपुर-गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 51707 और 51708, 03 से 22 मई तक बिरसोला और बिरसोला से जबलपुर तक चलेगी। इसी प्रकार जिले के कटंगी-तिरोड़ी ट्रेन वाली लोकल ट्रेन क्रमांक 68813 गोंदिया-तिरोड़ी, 68814 तिरोड़ी-गोंदिया, 68809 गोंदिया से तिरोड़ी, 68810 तिरोड़ी से गोंदिया, 68811 गोंदिया से कटंगी, 68812 कटंगी से गोंदिया, 78803 गोंदिया से कटंगी, 78804 कटंगी से गोंदिया, 78805 गोंदिया से कटंगी, 78806 कटंगी से गोंदिया, 78809 गोंदिया से कटंगी और 78810 कटंगी से गोंदिया के बीच चलने वाली डेमु ट्रेन बिरसोला से गोंदिया तक रद्ध रहेगी।

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट स्टेशन मास्टर कृष्णकुमार चौधरी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गोंदिया रेलवे स्टेशन पर होने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी सुधार कार्य के कारण 3 मई से 22 मई तक रेल यातायात प्रभावित रहेगा। लगभग 20 दिनों तक चलने वाले इस कार्य के कारण कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को प्रभावित किया गया है, जबकि कुछ का मार्ग बदला गया है।उन्होंने बताया कि नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्षेत्र में पुराने वॉशेबल एप्रन को हटाकर नया %बैलेस्टेड ट्रैक तैयार किया जा रहा है।इस आधुनिकिकरण और ट्रैक अपग्रेडेशन से भविष्य में ट्रेनों की गति बढ़ेगी और यात्रा अधिक सुरक्षित होगी, लेकिन इस कार्य के चलते रेल परिचालन बाधित रहेगा।गोंदिया स्टेशन में रेलवे के कार्य के चलते रीवा-इतवारी एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग और लोकल ट्रेन को बिरसोला से गोंदिया के बीच रद्ध किया है।

जिले में बढ़ रही साइबर ठगी, मोबाइल अपडेट के नाम पर 98 हजार की ठगी

फर्जी लिंक और कॉल के जरिए ठगों ने बनाई पहुंच, साइबर सेल में शिकायत दर्ज

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जहां ठग नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। कभी मोबाइल हैकिंग तो कभी मोबाइल अपग्रेडेशन के नाम पर फर्जी लिंक और मैसेज भेजकर ठग आम लोगों के खातों तक पहुंच बना रहे हैं और कुछ ही मिनटों में उनकी गाढ़ी कमाई साफ कर दे रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला शहर के एक वार्ड से सामने आया है, जहां एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। युवक को मोबाइल अपडेट के नाम पर झांसे में लिया गया और पहले उसके खाते से करीब हजार रुपये की राशि निकाली गई। इसके बाद ठगों ने उसके बैंक खाते से कुल 98 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित युवक को जब अपने खाते से पैसे कटने का अहसास हुआ और उसने बैलेंस चेक किया, तब इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। ठगी का शिकार होने के बाद युवक ने तत्काल साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जिले में इन दिनों साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पहले जहां साइबर ठग लुभावने ऑफर, सरकारी योजनाओं और कॉल के माध्यम से लोगों को निशाना बनाते थे, वहीं अब वे तकनीक का सहारा लेकर सीधे लोगों के मोबाइल तक पहुंच बना रहे हैं। ताजा मामला शहर के एक वार्ड नंबर 03 के युवक के साथ सामने आया है, जहां मोबाइल अपडेट के नाम पर उसके खाते से 98 हजार रुपए पार कर दिए गए। जानकारी के अनुसार युवक के मोबाइल पर एक मैसेज आया, जिसमें मोबाइल अपडेट करने का लिंक दिया गया था। इसे सामान्य प्रक्रिया समझकर युवक ने उस लिंक पर क्लिक कर बताए गए निर्देशों का पालन किया। शुरुआत में सब कुछ सामान्य लगा, लेकिन अगले दिन जब युवक ने अपने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया तो वह हैरान रह गया। जांच करने पर पता चला कि उसके खाते से 98 हजार रुपए किसी अज्ञात व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर हो चुके हैं, जबकि उसने स्वयं ऐसी कोई लेन-देन की प्रक्रिया नहीं की थी। बाद में समझ आया कि मोबाइल अपडेट के नाम पर भेजे गए लिंक के जरिए उसका मोबाइल हैक कर लिया गया और इसी के माध्यम से साइबर ठगों ने खाते से राशि निकाल ली। घटना के बाद पीड़ित युवक ने अपने परिजनों के साथ साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है और ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर ठग अब पहले से अधिक सक्रिय और तकनीकी रूप से सक्षम हो चुके हैं। वे कभी फर्जी लिंक भेजकर, तो कभी नए नंबरों से कॉल कर सरकारी योजनाओं का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर या फर्जी प्रोफाइल बनाकर भी ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं। जिले में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, हालांकि कई मामलों में लोग शिकायत तक नहीं करते, जिससे वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आ पाते। साइबर जानकारों ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, मोबाइल अपडेट या केवाईसी के नाम पर आने वाले मैसेज से सावधान रहें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही मोबाइल और बैंकिंग सुरक्षा सेटिंग्स को मजबूत रखने की सलाह दी गई है। साइबर ठगों के बदलते तरीकों के बीच अब जरूरत है कि लोग जागरूक और सतर्क रहें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

रेत संकट ने रोका प्रधानमंत्री आवास का सपना

बरसात से पहले छत के लिए जूझ रहे ग्रामीण

अरूण लोधी।

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत मकानों का निर्माण इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। क्षेत्र की प्रमुख नदियों से रेत उत्खनन पर पूर्ण प्रतिबंध के चलते ग्रामीणों के सामने अपने सपनों का घर बनाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कई परिवारों के पास रहने के लिए सुरक्षित छत तक नहीं बची है। ग्रामीणों ने शासन की योजना के तहत नए मकान बनाने के लिए पहले ही अपने पुराने और जर्जर मकानों को तोड़ दिया था। ईंट, सीमेंट, सरिया सहित अन्य निर्माण सामग्री भी किसी तरह जुटा ली गई।लेकिन रेत नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो गया है। अब ये परिवार खुले आसमान के नीचे या अस्थायी व्यवस्थाओं में रहने को मजबूर हैं।

पिपरिया सहित कई गांवों में गहराया संकट

खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम पिपरिया में ही डेढ़ दर्जन से अधिक परिवार इस समस्या से सीधे तौर पर प्रभावित हैं। इन परिवारों ने नए मकान की आस में पुराने घर गिरा दिए। लेकिन रेत पर रोक की जानकारी बाद में मिलने से वे बीच रास्ते में ही फंस गए। यही स्थिति आसपास के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिल रही है, जहां निर्माण कार्य रुकने से लोगों में भारी निराशा है।

बरसात नजदीक-बढ़ी चिंता

ग्रामीणों का कहना है कि खेती-किसानी का काम समाप्त होने के बाद ही वे मकान निर्माण शुरू करते हैं, ताकि बरसात से पहले घर तैयार हो सके। लेकिन अब बारिश आने में महज एक माह का समय शेष है और निर्माण कार्य शुरू तक नहीं हो पाया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बारिश के दिनों में ये परिवार आखिर कहां और कैसे रहेंगे।

प्रशासन की सख्ती से बढ़ी परेशानी

नदियों से अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह सख्त है। यदि कोई ग्रामीण ट्रैक्टर के माध्यम से रेत लाने की कोशिश करता है। तो ट्रैक्टर जप्त कर लिए जाते हैं और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल है और वे मजबूरी में निर्माण कार्य बंद किए बैठे हैं।

वैकल्पिक व्यवस्था का अभाव

ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन द्वारा रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है तो निर्माण कार्य के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। वर्तमान में न तो शासकीय स्तर पर रेत उपलब्ध कराई जा रही है और न ही कोई अन्य विकल्प बताया गया है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

पुराने दौर में लौटने की आशंका

कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो उन्हें मजबूरी में 50 साल पहले की तरह मिट्टी और कच्ची दीवारों से घर बनाना पड़ सकता है। जो न तो सुरक्षित होंगे और न ही टिकाऊ।

ग्रामीणों की मांग और प्रशासन से अपील

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि या तो सीमित मात्रा में रेत उपलब्ध कराने की अनुमति दी जाए या फिर शासकीय स्तर पर रेत की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत मकानों का निर्माण समय पर पूरा हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल निर्माण का मामला नहीं, बल्कि उनके और उनके परिवार के सुरक्षित भविष्य का सवाल है। ऐसे में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। ताकि हर घर छत का सपना अधूरा न रह जाए।

वारा में मनाया गया विश्वशांति त्रिगुण पावन बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम वारा में भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वाधान में ग्राम वारा के बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम महाकरुणिक तथागत बुद्ध, परमपूज्य बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुद्ध वंदना करते हुए की गई।तत्पश्चात ग्राम मे विश्वशांति कैंडल मार्च निकाला गया और मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदरणीय वैशाली भोखरे जी ने सिद्धार्थ का जन्म,बुद्धत्व की प्राप्ति और बुद्ध का महापरिनिर्वाण पर अपने विचार व्यक्त किए।साथ ही बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार वितरण कर कार्यक्रम का समाप्त किया गया इस कार्यक्रम में सभी बौद्ध धम्म अनुयायियों एवं ग्रामीण नागरिकों ने उपस्थित होकर धम्म लाभ अर्जित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत खजरी

जनपद पंचायत लांजी

निविदा

क्रमांक-क्यू. | दिनांक - 02/05/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खजरी में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, वी.बी.जी.रामजी योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, पंच परमेश्वर , 15 वां वित्त,16 वां वित्त आयोग, 5 वां 6 वां राज्य वित्त आयोग, मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक - सांसद निधि, जिला पंचायत व जनपद पंचायत निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं । संबंधित सप्लायर मोहरबंद लिफाफे में 11/05/2026 तक कार्यालयीन समय में जमा कर सकते है। निविदा की अवधि 1 वर्ष 31 मार्च 2027 तक के लिए रहेगी। नियम व शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती हैं। निविदा पर अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत लेगी।

श्रीमती दमयंती धारने	अनूपचंद मेहरबान	श्रीमती खुशबु श्रीवास्तव
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

चैनप्रकाश दौने-सहायक सचिव

एवं समस्त पंगचगण, ग्राम पंचायत खजरी (लांजी)

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 9425138670

ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 03 मई 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कुत्तो के हमले से सांभर शावक की मौत, लामता सामान्य परिक्षेत्र के ग्राम गुनाड़ी का मामला

काटने और वोट के मिले निशान, पीएम करवाकर किया गया अंतिम संस्कार

इमरान कुरैशी।

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्यप्राणियों की अधिकता, उनकी जान की दुश्मन बन गई है। कभी शिकारी तो कभी हमले से वन्यजीवों की जान जा रही है इसी बीच शनिवार को जिले के लामता सामान्य परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम गुनाड़ी के एक खेत में, कुत्ते के काटने से एक एक सांभर के शावक की मौत हो गई जिसका शव

वनकर्मियों द्वारा बरामद कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही के बाद बरामद किया गया है जिसका पोस्टमार्टम कराकर विधिवत अंतिम संस्कार कर विभाग द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय निवासी ग्रामीण ईश्वरीप्रसाद ऐड़े जब खेत की ओर गए तो, वहां उन्होंने सांभर के शावक को मृत हालत में देखा। जिसकी सूचना पंचायत सरपंच और वनविभाग को दी।ठार सूचना मिलने पर पहुँचे वन अमले ने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले से अवगत कराकर आगामी कार्यवाही को अंजाम दिया है।आपको बताते चले कि इसी परिक्षेत्र में बीते दिनो में संरक्षित वन्यजीवो की मौत ने परिक्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए है।

कुत्ते के दांतों के निशान शव पर मिले है-पटले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. बादल पटले ने बताया कि सांभर शावक लगभग 8 माह का था। जिसके पीछे के हिस्सो में दांतो के निशान मिले है। जो संभवत: आवारा कुत्ते के काटने से दिखाई देते है, जिसके अंदरूनी हिस्से में भी चोट के निशान मिले है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही सांभर की मौत को लेकर स्पष्ट ओपिनियन सामने आ पाएगा।

मामले की जांच जारी है- रंगारे

वही वनपरिक्षेत्र अधिकारी डी.के. रंगारे ने बताया कि गुनाड़ी में हमें सांभर के शावक के मृत होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद यहां पहुंचकर शव बरामद कर पशु चिकित्सक से पीएम कराया गया है और एसओपी के तहत, शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। संभवत: आवारा कुत्तो के हमले से सांभर शावक की मौत हुई है।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्व.डाली दमाहे के घर पर चला बुलडोजर

भांजे मुकेश ने स्वयं पर पैट्रोल डालकर, अग्निस्नान करने का किया प्रयास : जमकर मचा हंगामा, प्रशासन के साथ हुई जमकर बहसबाजी

अतिक्रमण कर, अवैध निर्माण का बताया जा रहा मामला : ग्राम पंचायत कोसमी में कार्यवाही का दिखा जमकर विरोध

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शनिवार को नगर से सटे ग्राम पंचायत कोसमी वार्ड नं 6 में उस वक्त हंगामा मच गया जब अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासनिक अमला ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्व. डाली दमाहे के घर लाहो लश्कर लेकर पहुंच गया। जहां अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान डाली दमाहे के भांजे मुकेश माहुले, उनके भाई, और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच जमकर बहसबाजी देखने को मिली। इसी दरमियान आवेश में आकर मुकेश माहुले ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर अग्निस्नान करने का भी प्रयास किया, जिसे देख परिजनों और प्रशासनिक अमले ने उन्हें पड़कर अग्निदाह का उनका यह प्रयास विफल कर दिया।जहा भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूर्व से चिन्हित किए गए मकान के हिस्से और वहां बनी बाउंड्रीवॉल को जमीनदोज कर दिया। प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहले तो मकान के भीतर रखा सामान सुरक्षित बाहर निकाला, जिसके उपरांत 2 जेसीबी की मदद से बाउंड्रीवॉल और मकान के कुछ हिस्से को जमींनदोज कर दिया। उधर इस मामले को लेकर मचे बवाल के बीच मुकेश माहुले और उनके परिजनों द्वारा इसे राजनीति साजिश के तहत की गई कार्यवाही बताया गया है तो वही प्रशासनिक अधिकारियों ने नियमों के तहत की गई कार्यवाही की बात कही है।कार्यवाही के दौरान तहसीलदार सुनील वर्मा, न्यायाब तहसीलदार छवि पंथ, राजस्व निरीक्षक श्री घोटमारे ,कोसमी पटवारी सिद्धार्थ बड़ोले,नवेगांव पटवारी आदित्य बिसेन, कोतवाली और नवेगांव के महिला व पुरुष पुलिस कर्मचारी सहित अन्य प्रशासनिक अमला प्रमुख रूप से उपस्थित रहा।

पर अतिक्रमण कर बाउंड्रीवॉल और मकान का निर्माण किए जाने को लेकर बताया गया है जिसकी 6 माह पूर्व हुई शिकायत पर करीब 2 माह तक चली सुनावाई के बाद नोटिस जारी कर,प्रशासन द्वारा उक्त कार्यवाही किए जाने की बात कही गई है।तो वही मुकेश माहुले द्वारा इसे एक सोची समझी साजिश, व राजनीति द्वेष के तहत की गई कार्यवाही बताया है।

आबादी भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण से जुड़ा है मामला

दरअसल यह पूरा मामला आबादी भूमि

स्थानीय निवासी इमलाबाई ने की थी शिकायत

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोसमी वार्ड नं 6 परिसर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्व. डाली दमाहे निवास करते थे, जिनकी हत्या के बाद उनके मकान में उनका भांजा मुकेश माहुले, अन्य परिजनों के साथ निवास कर रहे थे, बताया जा रहा है कि उन्हीं के मकान के पीछे रहने वाली श्रीमती इमलाबाई निकोसे और पुत्र विकास निकोसे ने जनसुनवाई में प्रशासन को शिकायत की थी कि आवागमन के रास्ते में आबादी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के कारण, उन्हें आने जाने में परेशानी हो रही है। जिसका पूरा प्रकरण, तहसील न्यायालय में चला। जहां से अतिक्रमण हटाने के ऑर्डर पर अतिक्रमणकारी मुकेश माहुले ने, एसडीएम न्यायालय में अपील की थी।तहसीलदार सुनील वर्मा के अनुसार, वह भी खारिज हो गई है।इसी बीच तहसील कार्यालय से अतिक्रमण हटाने के जारी हुए आदेश पर नोटिस भेजकर उक्त भूमि पर किए गए निर्माण को जेसीबी की मदद से हटाया गया।उधर मुकेश माहुले द्वारा इस मामले में इंसाफ पाने के लिए हाईकोर्ट की शरण लेने की बात कही है।

स्वयं पर पेट्रोल छिड़क कर, आत्मदाह का किया प्रयास, मचा हंगामा

नगरीय क्षेत्र से लगे ग्राम पंचायत कोसमी में शनिवार दोपहर, तहसीलदार सुनील वर्मा ने राजस्व और पुलिस टीम की मौजूदगी में आबादी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए भवन और बाउंड्रीवाल पर जेसीबी चलाकर अतिक्रमण को हटा दिया। इस दौरान अतिक्रमणकारी मुकेश माहुले ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया लेकिन उसे परिजनों व पुलिस ने बचा लिया।मुकेश माहुले ने प्रशासन पर एकतरफा कार्यवाही करने का आरोप लगाया है जबकि तहसीलदार सुनील वर्मा ने बताया कि एसडीएम न्यायालय से अपील खारिज होने के बाद विधिवत नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है। कार्यवाही के दौरान परिजनों का काफी विरोध भी देखने को मिला, वहीं परिजनों ने इसे एक साजिश बताते हुए जमकर हंगामा मचाया। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने किसी की एक न सुनी और नियम का हवाला देते हुए भूमि पर किए गए निर्माण को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया।

पैसों की भूख, सत्ता और राजनीति द्वेष के चलते की गई एकतरफा कार्यवाही- मुकेश

मुकेश माहुले ने बताया कि यह जगह हमारे पीढ़ियों से है, पहले, यहां मामा डाली दमाहे निवासरत थे। जिनकी हत्या के बाद, इसकी देखरेख हम करते है।मेरे मामा डाली दमाहे, मम्मी,नाना-नानी की भूमि है, हम पीढ़ी दर पीढ़ी से निवास करते आ रहे हैं,कोसमी में लगभग 20 एकड़ आबादी भूमि है जहां लोग वर्षों से पीढ़ी दर पी ढ़ी निवास कर रहे हैं।200 वर्षों से अधिक समय से नाना नानी के पूर्वज यहां रह रहे थे, करीब 20 वर्ष पूर्व इमला बाई निकोसे ने यहां जमीन खरीदी थी उसकी जमीन रजिस्ट्री, बाजू वाले रवि सोनी, गुड्डू माहुले और हमारी जमीन की रजिस्ट्री सभी में यहां पर 8 फीट का रास्ता है, जो सभी की रजिस्ट्री में दर्ज है।बावजूद इसके भी तहसीलदार ने हमारी सुनवाई नहीं की, अपना स्वयं का हित सिद्ध करते हुए, अतिक्रमण हटाने के आदेश दे दिए, जबकि एसडीएम सर के यहां से हमारी अपील व केस खारिज का हमें लेटर भी नहीं मिला है। लेकिन तहसीलदार ने आज मामा के घर को तोड़ दिया,उन्होंने बताया कि नगर में पूर्व मंत्री ने सरकारी भूमि पर कब्जा किया है, उसका अतिक्रमण नहीं तोड़ रहे हैं,उधर हाईकोर्ट और एनजीटी के आदेश के बावजूद देवी तालाब से अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है ,लेकिन यहां पैसों की भूख, सत्ता का लालच और राजनीतिक द्वेष के चलते तहसीलदार ने एक तरफा कार्यवाही का आर्डर दिया है। हमें सूत्रों से पता चला है कि जिन्होंने मामा डाली दमाहे की हत्या की थी, वे लोग इन लोगों से मिले हुए हैं उनसे पैसे लेकर ही ऐसा आर्डर निकाला गया है हमें नोटिस मिला लेकिन समय नहीं दिया गया, प्रशासन ने आज नियम विरुद्ध काम किया है दुर्भावनावश निर्माण को तोड़ा गया है। तहसीलदार के यहां 2 पेशी हुई थी, पहली पेशी में ही उन्होंने कह दिया था कि हम अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाएंगे, हमारे कोई भी कागजात स्वीकार नहीं किए गए। यह हमारे साथ में अन्याय किया गया है।

नियम के तहत की गई कार्यवाही - सुनील वर्मा तहसीलदार

सुनील वर्मा ने बताया कि आबादी भूमि पर देवकीबाई माहुले का अतिक्रमण था, जिसकी शिकायत मिलने पर न्यायालय तहसीलदार ने प्रकरण दर्ज कर नोटिस जारी किया था, जिसकी सुनवाई भी हुई उसके बाद आर्डर पारित किया गया है आर्डर जारी होने के बाद उन्होंने एसडीएम कार्यालय में अपील की थी, वह अपील एसडीएम कार्यालय से निरस्त हो चुकी है, इसीलिए नोटिस जारी कर आज अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्यवाही कर अवैध निर्माण हटाया गया है।यह कार्यवाही विधिवत नियमानुसार की गई है।

कमाने के लिए कर्नाटक गया युवक पुना से हुआ लापता

परिजनों ने लगाया अपहरण का आरोप, कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

कहा 28 अप्रैल से युवक से नही हो रहा सम्पर्क ठेकेदार और मजदूर के साथी पर आरोप

मजदूर युवक को प्रशासनिक मदद से वापस लाने की करी मांग

इमरान कुरैशी।

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रोजगार की कमी के चलते अक्सर ग्रामीण अंचल के लोग कमाने खाने के लिए महानगरों में पलायन करने के लिए मजबूर है इसी बीच मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम पण्ड्रापानी से रोजगार की तलाश में कर्नाटक गए एक युवक के रहस्यमयी तरीके से लापता होने का एक मामला सामने आया है।जिसमे विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय से जुड़े एक परिवार ने ठेकेदार और उसके साथी पर, उनके पुत्र का अपहरण किए जाने का आरोप लगाया है।जहां उनके पुत्र का पुना रेलवे स्टेशन से अपहरण किए जाने की बात कहते हुए पीड़ित परिवार ने मामले को लेकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। मामले में परिजनों ने एक व्यक्ति पर युवक को अपने कब्जे में रखने, उसका मोबाइल, पैसा और सामान छीन लेने तथा लगातार गुमराह करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित परिवार ने कलेक्टर बालाघाट को आवेदन सौंपकर युवक को सकुशल मुक्त कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर उन्हें ईसाफ दिलाने की गुहार लगाई है।

सितंबर 2025 में कर्नाटक गया था दशरू धुर्वे

ग्राम पण्ड्रापानी, थाना मलाजखण्ड, तहसील बिरसा निवासी सुखदेव सिंह धुर्वे ने कलेक्ट्रेट में दिए आवेदन में बताया कि वह विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय से संबंध रखते हैं। उनका बड़ा पुत्र दशरू धुर्वे एवं दूसरा पुत्र निलेश धुर्वे गांव में रोजगार नहीं मिलने के कारण सितंबर 2025 में गांव के अन्य युवकों गणेश धुर्वे एवं नेमसिंह परते के साथ मजदूरी करने कर्नाटक चले गए थे। वहां वे गुलबर्गा (कलबुर्गी) क्षेत्र में ठेकेदार सुरेश राठौर के पास मजदूरी कार्य कर रहे थे।परिजनों के अनुसार प्रारंभ में दोनों युवक नियमित रूप से परिवार से संपर्क में रहते थे और समय-समय पर घर पैसे भी भेजते थे। लेकिन कुछ समय बाद मजदूरी भुगतान को लेकर विवाद की स्थिति बनने लगी।इसी दौरान दशरू धुर्वे घर वापस लौटने के लिए निकला। आरोप है कि वह बिलासपुर निवासी सूरज लोधी पिता चूरन लोधी के साथ 26 अप्रैल 2026 को गुलबर्गा से निकला था।जो पुना आने के बाद अचानक से लापता हो गया।

पिता को फोन कर सुनाई थी दास्तान

परिजनों द्वारा बताया गया कि दशरू ने अपने पिता को फोन पर बताया था कि सूरज लोधी ने उसका मोबाइल, पैसा और पूरा सामान अपने कब्जे में ले लिया है। उसके पास गांव लौटने के लिए किराये तक के पैसे नहीं हैं और वह पूना रेलवे स्टेशन पर फंसा हुआ है। इसके बाद परिवार ने गांव के ही अनिल धुर्वे और गोलू मरकाम को करीब 7 हजार रुपये देकर पूना भेजा, ताकि दशरू को वापस लाया जा सके।परिजनों का आरोप है कि सूरज लोधी लगातार अलग-अलग बातें कर उन्हें गुमराह करता रहा। कभी वह कहता कि दशरू उसके पास है, तो कभी कहता कि वह सुपरवाइजर के पास है। इतना ही नहीं, कभी पैसे देकर युवक को ले जाने की बात कहता रहा। लेकिन जब परिवार के लोग पूना पहुंचे तो उन्हें दशरू से ना तो मिलने दिया गया और ना ही बात कराई गई।वही सूरज ने उनके पुत्र को कही और ले जा लिया, जिसका आजतक पता नही चल पाया है।वही 28 अप्रैल के बाद से ही उनके पुत्र का उनसे संपर्क टूट चुका है।

पुत्र को राह-कुशल वापस लाया जाए- बुधियारिन धुर्वे

दशरू की माँ बुधियारिन धुर्वे ने बताया कि 28 अप्रैल 2026 की शाम लगभग साढ़े चार बजे दशरू से अंतिम बार मोबाइल नंबर 9921981816 से बातचीत हुई थी। इसके बाद से युवक का कोई पता नहीं चल पाया है।अब संबंधित व्यक्ति फोन भी रिसीव नहीं कर रहा है, जिससे परिवार को किसी बड़ी अनहोनी की आशंका सताने लगी है।हमारी मांग है प्रशासन इस मामले में हस्तक्षेप करे, और पुत्र को सह कुशल वापस लाया जाए।

मामले की यथाशीघ्र की जाए कार्यवाही-भुवन

वही ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता एंव अधिवक्ता हेमलाल धुर्वे,और गोंडवाना महासभा राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष भुवन सिंह कोरॉम ने संयुक्त रूप से बताया कि मामले को लेकर बैगा समाज एवं ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है। प्रशासन से मांग की है कि युवक की तत्काल तलाश कर उसे सकुशल परिवार तक पहुंचाया जाए,यदि यह मामला मानव तस्करी, बंधक बनाने या अपहरण से जुड़ा हो तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।इस मामले में कलेक्टर ने इस्तक्षेप कर पुलिस एवं संबंधित राज्यों के प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए युवक की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित करानी चाहिए।

खाना न बनाने पर महिला से मारपीट

पति-देवर-ससुर के खिलाफ अपराध दर्ज

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शाखा में खाना न बनाने की बात पर एक महिला को उसके पति, देवर और ससुर ने मिलकर मारपीट कर घायल कर दिये। घायल महिला का इलाज बिरसा अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने इस महिला की शिकायत पर उसके पति चंद्रपाल मरकाम देवर मोनु मरकाम ससुर चतुर सिंह मरकाम के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा थाना के ग्राम शाखा निवासी उर्मिला 43 वर्ष खेती-किसानी के साथ घरेलू काम भी करती हैं। 1 मई को सुबह करीब 8 बजे वह घर के आंगन में गोबर से लिपाई कर रही थीं। इसी दौरान पति चंद्रपाल मरकाम वहां आया और खाना न बनाने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। उर्मिला ने। उसे बताई कि पड़ोस में शादी है, आंगन लिपाई करने के बाद खाना बना लूंगी और वह नहाने चली गई। आरोप है कि चंद्रपाल ने फिर आकर कहा कि अभी तक खाना नहीं बनाया और नहाने जा रही है कहकर उसने उर्मिला से हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। उर्मिला ने विरोध किया तो देवर मोनु मरकाम भी आ गया और हमेशा भाई को गाली देती है कहकर मारपीट करने लगा। इसी बीच ससुर चतुरसिंह मरकाम भी आ पहुंचा। उसने गाली देते हुए मिट्टी का ढेला उठाकर मारा, उर्मिला के मस्तक पर लगने से वह घायल हो गई। घटना के बाद उर्मिला ने गांव के कोटवार को सूचना दी और थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घायल महिला का इलाज करवाया और उसकी शिकायत पर पति चंद्रपाल मरकाम, देवर मोनु मरकाम और ससुर चतुरसिंह मरकाम के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की आगे जांच जारी है।

तूफान के बाद नगर पालिका की अपील, पानी की सप्लाई सीमित, स्वच्छता व्यवस्था आंशिक प्रभावित

हितेश ठाकरे।

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर में हाल ही में आए तेज आंधी-तूफान और खराब मौसम के बाद जनजीवन अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। कई क्षेत्रों में पेड़ गिरने और अन्य नुकसान की घटनाएं सामने आई हैं, वहीं विद्युत व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। नगर पालिका अध्यक्ष अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकूर ने बताया कि शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसे बहाल करने के लिए संबंधित विभाग और नगर पालिका के कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्युत व्यवस्था को पूरी तरह सामान्य होने में अभी कुछ समय लग सकता है। बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के चलते जल प्रदाय व्यवस्था पर भी असर पड़ा है। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि आगामी दिन पानी की सप्लाई सीमित समय के लिए ही की जा सकेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि पानी का उपयोग आवश्यकता अनुसार और

सावधानीपूर्वक करें, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी न हो। इसके साथ ही रविवार होने के कारण शहर की स्वच्छता व्यवस्था भी आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। सामान्य परिस्थितियों को छोड़कर वार्डों में कचरा वाहन और स्वच्छता कर्मी नियमित रूप से नहीं पहुंच पाएंगे। नगर पालिका ने नागरिकों से विशेष आग्रह किया है कि तूफान के कारण फैली गंदगी या कचरा घरों के बाहर न फेंकें और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। नगर पालिका अध्यक्ष ने सुरक्षा को लेकर भी सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तेज हवा और बारिश के चलते पेड़ गिरने तथा बिजली के तार टूटने का खतरा बना हुआ है, इसलिए अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और बच्चों एवं परिवारजनों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्राकृतिक परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन और नागरिकों के बीच सहयोग बेहद जरूरी है। सभी के संयम, धैर्य और जागरूकता से ही स्थिति को जल्द सामान्य किया जा सकता है।नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी आपात स्थिति में संबंधित विभाग को तत्काल सूचना दें।

पीएचई विभाग ने मंदिर में लगे नल के पुर्जे निकाले

इमरान कुरैशी।

पदमेश न्यूज। कोचेवाड़ा। एक ओर जहां सूरज की तपिश और भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार विभाग की लापरवाही ग्रामीणों की प्यास बुझाने के बजाय उनकी मुश्किलें और बढ़ा रही है। ताजा मामला जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर लामता के ग्राम पंचायत कोचेवाड़ा का है, जहां देवी मंदिर स्थित सार्वजनिक नल के कलपुर्जे निकालकर पीएचई विभाग ने पानी की व्यवस्था बाधित कर दी।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, देवी मंदिर परिसर में स्थित नल सार्वजनिक जलापूर्ति का एक मुख्य स्रोत था। लेकिन हाल ही में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों ने इस नल के पुर्जे-पुर्जे खोल दिए। आरोप है कि विभाग ने इस नल को सुधारने के बजाय इसके महत्वपूर्ण हिस्से निकालकर कहीं और लगा दिए हैं।

पानी के लिए परेशान हो रहे ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गर्मी के इस मौसम में जब जलस्तर नीचे जा रहा है, ऐसे में चलते हुए नल को बंद कर देने से कोचेवाड़ा के ग्रामीणों के सामने पीने के पानी का संकट खड़ा हो गया है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को पानी के लिए दूर-दराज भटकना पड़ रहा है।इस चिलचिलाती धूप में पानी की एक-एक बूंद कीमती है, ऐसे में विभाग को चाहिए था कि वह बंद नलों को चालू करे, लेकिन यहाँ तो चालू नल को ही कबाड़ बना दिया गया है।

अधिकारियों से सुधार कार्य का मिला आश्वासन

उधर मामले की गंभीरता को देखते हुए जब स्थानीय जागरूक नागरिकों ने पीएचई विभाग बालाघाट के आला अधिकारियों से संपर्क किया और वस्तुस्थिति से अवगत कराया, तब जाकर विभाग की नींद टूटी,जहा बातचीत के दौरान अधिकारियों ने स्वीकार किया कि यह मामला उनके संज्ञान में है और जल्द ही नल के पुर्जे लगवाकर उसे दुरुस्त कर दिया जाएगा जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान नही होना पड़ेगा।

शराब के नशे में पति ने चरित्र पर शक कर पत्नी पर कुल्हाड़ी से किया हमला

बिरसा थाना क्षेत्र के कनिया साहू टोला की घटना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनिया के साहू टोला में शराबी पति द्वारा पत्नी पर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना का मामला सामने आया है। चरित्र पर शक के चलते आरोपी ने कुल्हाड़ी की मुद्दई से हमला कर पत्नी को घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। बिरसा पुलिस ने कविता बघेल 36 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति राजेश पिता शोभाराम बघेल 42 वर्ष के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 36 वर्षीय कविता बघेल, जो घरेलू काम करती है। उसकी शादी 18 साल पहले राजेश बघेल से हुई थी। दंपति के दो बेटियां और एक बेटा है। कविता के पति राजेश बघेल आए दिन शराब पीकर उसके चरित्र पर शक करता है और मारपीट कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहता है।

30 अप्रैल को शाम करीब 7 बजे राजेश ने घर में भाजिया बनाकर थाली में रखी थी। उसी समय कविता दुकान से लौटी और थाली में रखी भाजिया खा रही थी। इस पर राजेश ने ?कि गया और उसे अश्लील गालियां देकर घर से बाहर निकल गया। कविता जब उसके पीछे बाहर निकली तो राजेश दीवारा गालियां देते हुए कुल्हाड़ी लेकर आया और कुल्हाड़ी की मुद्दई से कनपटी पर वार कर दिया। हमले में कविता घायल हो गई। इसके बाद आरोपी ने बिना पूछे बाहर जाने पर जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंचे और बीच-बचाव किये घटना के बाद कविता अपनी मां के साथ बिरसा थाना पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित कविता का मेडिकल करवाकर आरोपी पति राजेश बघेल पिता शोभाराम बघेल 42 वर्ष के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बम्हनी में प्रशासन का चला बुलडोजर, वर्षों पुराना जल निकासी विवाद सुलझा

राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही, न्यायालय के आदेश पर हटाया गया पक्का अतिक्रमण

राजु पंचेश्वर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बम्हनी में शनिवार को प्रशासन का सख्त रूख देखने को मिला। विगत कई वर्षों से गांव के रूढ़िगत जल (पानी) निकासी मार्ग (नाली) को लेकर चल रहे विवाद का अंत करते हुए राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने जेसीबी मशीन के माध्यम से अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया। इस कार्यवाही के साथ ही ग्रामीणों को जल भराव की समस्या से मुक्ति मिल गई है। वहीं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान पीड़ित चिंतामन तुमसरे एवं लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा इस कार्यवाही का विरोध करते हुए कहा कि ये हमारी नीजि भूमि है जिसे पूर्व में खरीदे है। पानी निकासी नही होने देगें किन्तु प्रशासन ने न्यायालय का आदेश का पालन करते हुए पक्के अतिक्रमण पर बुलडोजर चला दिया और वर्षों से जल निकासी के विवाद को सुलझा दिया है।

क्या था मामला?

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बम्हनी निवासी चिंतामन तुमसरे एवं उनके भाई लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा गांव के पारंपरिक (रूढ़िगत) जल निकासी मार्ग (नाली) के ऊपर पक्का निर्माण कर लिया गया था। इस अतिक्रमण के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही थी, जिससे बरसात के समय गांव में जल भराव की स्थिति निर्मित हो जाती थी। इस अवरोध को लेकर लंबे समय से ग्रामीणों और संबंधित पक्ष के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी और यह विवाद करीब 3 वर्ष से चल रहा था। जिसमें चिंतामन तुमसरे एवं लक्ष्मण तुमसरे का कहना था कि जिस स्थान से पानी निकासी करने की बात कही जा रही है वह हमारी नीजि भूमि है, पानी निकासी नही होने देगें। लेकिन ग्रामीणों का कहना था कि चिंतामन एवं लक्ष्मण तुमसरे के मकान के समीप से बनी नाली से पूर्वजों के समय से कुछ ग्रामीणों के घरों एवं बारिश का पानी की निकासी होते आ रहा है। लेकिन करीब 3 वर्ष पूर्व चिंतामन व लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा पानी निकासी की नाली को बंद कर उसके ऊपर से निर्माण कर दिया गया था। वहीं इस बंद नाली को खुलवाने के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारी भी मौके स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ स्थल निरीक्षण कर चिंतामन एवं लक्ष्मण तुमसरे को समझाईश भी दी कि पारंपरिक (रूढ़िगत) जल निकासी नाली है। जिससे बंद किये हो उसे खोल देवें लेकिन वे अपनी मांगों पर अडिग रहा। जिसके चलते करीब 3 वर्ष से यह जल निकासी नाली का विवाद चलते रहा क्योंकि चिंतामन व लक्ष्मण तुमसरे दोनों भाई अपने मकान के अंदर से पानी निकासी नही होने देना चाह रहे थे। लेकिन ग्रामीणजनों व राजस्व रिकार्ड के अनुसार पूर्व से उसी स्थान से पानी निकासी होते आ रहा है लेकिन 3 वर्ष पूर्व उसे बंद कर दिया गया था। जिसके कारण बरसात के दिनों में जल भराव की स्थिति निर्मित होती थी लेकिन समस्या का समाधान नही निकल पा रहा था।

न्यायालय के आदेश पर हुई कार्यवाही

बम्हनी पंचायत की पानी निकासी विवाद का यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था। न्यायालय ने गहन विचारण और साक्ष्यों के आधार पर यह पाया कि संबंधित स्थल वास्तव में एक रूढ़िगत जल निकासी मार्ग है, जिसे अवैध रूप से अतिक्रमण कर बंद किया गया था। न्यायालय ने जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इस मार्ग को तत्काल प्रभाव से खुलवाने का आदेश पारित किया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 2 मई को राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम दलबल के साथ बम्हनी पहुंची और पानी निकासी के स्थान पर बने पक्के अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की मदद से ढहा दिया है। यानि की अतिक्रमण मुक्त कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं विवाद की स्थिति निर्मित न हो जिसके मद्देनजर रखते हुए मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। साथ ही राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाकर उसे पूरी तरह से साफ कर पानी की निकासी बहाल की गई है। वहीं करीब तीन वर्ष से चिंतामन तुमसरे, लक्ष्मण तुमसरे, पंचायत व ग्रामीणों के बीच पानी निकासी की नाली को लेकर चल रहे विवाद का 2 मई को पटाक्षेप हो चुका है। प्रशासन की इस मुस्तैदी और कार्यवाही से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पानी निकासी की नाली के ऊपर किये गये पक्के अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही के दौरान लालबर्रा, वारासिवनी, खैरलांजी, रामपायली का पुलिस बल सहित प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नीजि भूमि से पानी निकासी की व्यवस्था बना रहा प्रशासन - लक्ष्मण

लक्ष्मण तुमसरे ने बताया कि प्रशासन के द्वारा मेरी नीजि भूमि से पानी निकासी की व्यवस्था करने का काम किया जा रहा है जो गलत है। इसके पूर्व मेरे द्वारा शिकायत की गई थी और प्रशासन के द्वारा मेरे घर के सामने शासकीय भूमि पर बने पक्के अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की मदद से ढहा दिया है। यानि की अतिक्रमण मुक्त कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं विवाद की स्थिति निर्मित न हो जिसके मद्देनजर रखते हुए मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। साथ ही राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाकर उसे पूरी तरह से साफ कर पानी की निकासी बहाल की गई है। वहीं करीब तीन वर्ष से चिंतामन तुमसरे, लक्ष्मण तुमसरे, पंचायत व ग्रामीणों के बीच पानी निकासी की नाली को लेकर चल रहे विवाद का 2 मई को पटाक्षेप हो चुका है। प्रशासन की इस मुस्तैदी और कार्यवाही से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पानी निकासी की नाली के ऊपर किये गये पक्के अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही के दौरान लालबर्रा, वारासिवनी, खैरलांजी, रामपायली का पुलिस बल सहित प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जनहित में प्रशासन ने बंद नाली को खुलवाया है - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि लक्ष्मण एवं चिंतामन तुमसरे के द्वारा एक परंपरागत पानी निकासी की नाली को बंद कर दिया गया था। जिसकी शिकायत सभी ग्रामीणों के द्वारा प्रशासन से की गई थी और वर्ष 2022 से जिस नाली को बंद की गई थी उसे आज प्रशासन के द्वारा जेसीबी मशीन से खुलवाया गया है। जिससे अब पानी निकासी की समस्या दूर हो जायेगी। श्री ढबाले ने बताया कि गांव की भौगोलिक स्थिति के अनुसार बहुत से जगह ऐसी है जहां लोगों की नीजि भूमि से जल की निकासी हो रही है। उनके द्वारा पानी निकासी के मार्ग को बंद नहीं किया गया। लेकिन इन दोनों भाईयों के द्वारा पानी निकासी के मार्ग को बंद कर दिया गया था। जिससे अन्य लोगों के द्वारा भी पानी निकासी नहीं होने देने की धमकी दी जा रही थी। जिसके बाद जनहित में इसकी शिकायत प्रशासन से की गई और शिकायत एवं न्यायालय के आदेश पर प्रशासन के दौरान बंद नाली को खुलवाया गया है।

पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है - भूपेन्द्र

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि न्यायालय में मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 131 के तहत बम्हनी के सार्वजनिक जल निकासी मार्ग को लेकर प्रकरण विचाराधीन था। जिसमें निर्णय पारित कर जल निकासी व्यवस्था को पुन: खोलने का आदेश पारित किया गया था। श्री अहिरवार ने बताया कि पूर्व में मेरे द्वारा स्थल का निरीक्षण कर जिनके द्वारा नाली को बंद कर दिया गया था, उनसे कहा गया था कि पक्का निर्माण न करे उसके बावजूद उनके द्वारा पक्का निर्माण किया गया है। जिसे तुड़वाकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है और राजस्व, पंचायत एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की गई है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का हुआ शुभारंभ

राजु पंचेश्वर। पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का शुक्रवार को औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के खेल मैदान में शुभारंभ किया गया। यह शिविर का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थित में किया गया। आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह में 1 मई से 30 मई तक यह प्रशिक्षण शिविर जारी रहेगा। जिसमें व्हालीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो खेल की बारीकियां खेल प्रशिक्षकों द्वारा सीखाकर बच्चों को निपुण किया जायेगा। खेल समन्वयक लव नगपुरे ने बताया यह ग्रीष्मकालीन खेल शिविर खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष लगाया जाता है। इस बार आरोह 2026 नाम दिया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों व बच्चों को प्रशिक्षक राधिका नायक, शुभम बिसेन, स्वाति दमाहे एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों द्वारा दिया जा रहा है। बच्चे अपनी रूची अनुसार खेल में भाग ले सकते हैं। यह शिविर में भाग लेने के लिए बच्चों को ऑनलाइन पंजीयन कराना आवश्यक होगा। खेल के साथ-साथ खिलाड़ियों को नशा मुक्ति, योग प्राणायाम, व्यक्तित्व विकास, साफ सफाई, स्वच्छता, साइबर अपराध जैसी चीजों के बारे में जानकारी दी जायेगी। साथ ही समय-समय पर उ च प्रशिक्षकों द्वारा जानकारी बताकर बच्चों को इनके बारे में अवगत करवाया जायेगा। खेल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को खेल के गुर सिखाए जायेगें।

तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बूंदाबांदी, जनजीवन प्रभावित, उमस भरी गर्मी से मिली राहत

रबी फसल के लिए बारिश लाभदायक, तो तेज हवाएं बन सकती हैं नुकसान का कारण, वैवाहिक कार्यक्रमों में पड़ा खलल

राजु पंचेश्वर। पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा क्षेत्र में शनिवार को मौसम के दो अलग-अलग मिजाज देखने को मिले। दोपहर तक भीषण धूप और उमस भरी गर्मी ने जहां आम जनजीवन को हलाकान कर दिया। वहीं शाम होते ही अचानक आये तेज आंधी-तूफान और बूंदाबांदी ने मौसम का रूख बदल दिया। इस बदलाव से तापमान में गिरावट तो आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन तेज हवाओं ने क्षेत्र में काफी अव्यवस्थाएं उत्पन्न कर दी है। वहीं दोपहर 12 बजे तक आसमान से बरसती आग और उमस के बाद दोपहर में हल्की रिमझिम फुहारें पड़ीं। इसके बाद शाम करीब 6 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और धूलभरी आंधी के साथ तेज तूफान शुरू हो गया। क्षेत्र में तूफान की गति इतनी अधिक थी कि कुछ स्थानों पर पुराने और कमजोर पेड़ धराशायी होने की जानकारी सामने आ रही है। जिससे आवागमन और बिजली आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। वहीं अचानक मौसम के बदलाव से राहगीरों और बाजार आये लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ की तेज आंधी-तूफान चलने से बार-बार बिजली गुल होने से क्षेत्रीयजनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

शादियों के उत्साह पर फिरा पानी

वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है। शनिवार शाम अचानक आये इस आंधी-तूफान ने वैवाहिक आयोजनों में बड़ा खलल डाला। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर टेंट और शामियाने उखड़ गये, जिससे वर-वधू पक्ष सहित मेहमानों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। खुले मैदानों में आयोजित कार्यक्रमों में भारी अव्यवस्था का माहौल देखा गया।

फसलों पर मिश्रित प्रभाव, बारिश वरदान, तूफान चिंता

रबी सीजन में लालबर्रा के जिन किसानों के पास सिंचाई का साधन है ऐसे किसानों के द्वारा रबी धान की फसल लगाई गई है। जिसमें जिन लोगों ने जनवरी माह में रोपाई कर दिये थे उनकी फसल पककर तैयार हो चुकी है जिसकी कटाई जारी है। साथ ही जिन्होने बाद में रोपाई किये है वहां गर्भ (दुधिया अवस्था) में हैं जिसकी बाली निकल रही है, लेकिन जो किसान फसल की कटाई कर रहे हैं। वह तेज बारिश होने पर भीग सकती है। साथ ही जो गर्भ (दुधिया अवस्था) में है तेज तूफान चलने पर उसकी बालियां झड़ने की संभावना बनी हुई है। इस तरह से अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं तेज आंधी-तूफान चलने से किसान रबी धान की फसल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है। वहीं कृषि विशेषज्ञों और किसानों का कहना है कि वर्तमान में हो रही बारिश से रबी की धान फसल के लिए काफी लाभदायक मानी जा रही है। इससे फसल की सिंचाई की जरूरत कम होगी और नमी बनी रहेगी। हालांकि इसके साथ चल रहा तेज आंधी-तूफान चिंता का विषय बना हुआ है। किसानों का कहना है कि जो धान की फसल वर्तमान में गर्भ (दुधिया अवस्था) में है, यदि तेज हवाएं जारी रहती हैं तो बालियां झड़ने की आशंका है, जिससे पैदावार प्रभावित हो सकती है।

खुरपुड़ी से रमपुरी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल, आवागमन में हो रही परेशानी

राजु पंचेश्वर। पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत खुरपुड़ी से रमपुरी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है। साथ ही सीसी सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों से सड़क के बीच में दरारें आ गई है, जिससे आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। अगर कोई दुपहिया वाहन चालक मार्ग से गुजरते समय सड़क के बीच में आई दरार में वाहन का पहिया जाने पर वाहन अनियंत्रित होने से बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो सकती है और पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि खुरपुड़ी से रमपुरी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण किया गया है किन्तु सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है यानि की गिट्टी उखड़ चुकी है। वहीं सड़क बीच से फट कर अलग होने लगी है यानि की बीच में दरार आ चुका है। जिसका गैप काफी अधिक है, अगर दुपहिया एवं साइकिल चालक इस मार्ग से तेज गति से गुजरते है तो उसके पहिया सड़क के बीच में बने दरार में जाती है तो वाहन अनियंत्रित हो सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। साथ ही दूर से दरार एवं गड्ढे दिखाई नही देने से दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। वहीं वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है, क्षेत्रीयजन मोटरसाइकिल एवं अन्य वाहनों से कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रात में वापस होते हैं जिन्हे भी सड़क खराब होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस मार्ग से खुरपुड़ी, रमपुरी, टेंगनीकला सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते हैं। ग्रामीण एवं राहगीरों ने खुरपुड़ी से रमपुरी पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल जाये।

आस-पास की खबरें

रमाबाई बुद्ध विहार में त्रिगुणी पावन बुद्ध पूर्णिमा मनाई गई

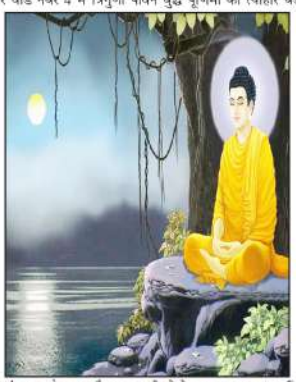

सागर देवगड़ें। पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रमाबाई बुद्ध विहार वार्ड नंबर 4 में त्रिगुणी पावन बुद्ध पूर्णिमा का त्यौहार बड़े ही

हर्ष एवं उल्लास के साथ बौद्ध अनुयायी यो के द्वारा मनाया गया । जिसमें सर्वप्रथम समिति पदाधिकारी एवं उपस्थित बौद्ध उपासक/उपाशिकाओं ने परिसर में स्थित डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तथा गगन भेदी जय भीम के नारे लगाए गए। पश्चात सभी लोग बुद्ध विहार में एकत्रित हुए तथा यहां भी भगवान बुद्ध की प्रतिमाओं एवं डॉ बाबा साहेब आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प मालाओं से स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात बोधाचार्य एवं उपाध्यक्ष डॉ आर के डोंगरे के द्वारा परित्राण पाठ किया गया। पश्चात समिति पदाधिकारी के द्वारा बोधाचार्य को दान देकर दान परमिता भी पूरी की गई। इसी परिपेक्ष में विद्या बाई शेंडे के द्वारा अपने पति दिवंगत बाबूलाल शेंडे की स्मृति में रमाबाई बुद्ध विहार को दस हजार रूपये दान किया गया । साथ ही साथ इसी श्रृंखला में डॉक्टर राहुल गेडाम के द्वारा दो हजार दान दिया गया। इसी श्रृंखला में आनंद बांसोड़ के द्वारा चालीस हजार रुपए देने की घोषणा की है । इस अवसर पर तृषा गजभिए ,मयूर पाटील, प्रिया,आर्या वासनिक,आर के डोंगरे ,सी एम डोंगरे,हीरा मेश्राम, वंदना दुफारे, अरुण मसूरेकर ,किरण वासनिक ,उर्मिला घोड़ेश्वर ,रुक्मणी रंगारे ने नृत्य गीत एवं भाषण के माध्यम से भगवान बुद्ध के विचारों को स्पष्ट करने का प्रयास किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आनंद बंसोड़ ,संगीता शिंदे ,पी डी रंगारे ,वंदना दुपारे ,अर्चना खोबरागड़े , दीपांकर पाटिल, ज्योति पाटील ,डोंगरे प्रीति, वासनिक का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

सूदखोर सुनील अरोरा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी के घर पर की छापामार कार्यवाही, सुनील अरोरा के खिलाफ शिकायत का दौर जारी

सागर देवगड़े।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्य प्रदेश में सूदखोरों और अवैध कर्जदाताओं के विरुद्ध जारी अभियान के तहत वारासिवनी पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस ने नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित वार्ड नंबर 7 निवासी सुनील पिता पीतमलाल अरोरा को गिरफ्तार कर उसके आवास पर घंटों तलाशी ली। यह पूरी कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वारासिवनी, परसवाड़ा, चांगोटोला और बालाघाट पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। इस दौरान एसडीओपी अभिषेक चौधरी, एसडीओपी परसवाड़ा अरविंद शाह, उपनिरिक्षक पवन यादव, शशांक राणा, आशीष वरकड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यह है मामला

पुलिस को लंबे समय से सुनील अरोरा के खिलाफ अत्यधिक ब्याज वसूली और प्रताड़ना की शिकायतें मिल रही थीं। पीड़ितों का आरोप है कि कर्ज की मूल राशि और मोटा ब्याज चुकाने के बाद भी आरोपी उनके ब्लैंक चेक वापस नहीं कर रहा था। इसके विपरीत आरोपी उन चेकों को बैंक में लगाने की धमकी देकर और अधिक पैसों की मांग कर रहा था। इसमें पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मध्य प्रदेश ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 308(5) जबरन वसूली, धारा 316(2) अमानत में ख्यानत और धोखाधड़ी से संबंधित अपराध दर्ज कर नगर में घूम रहे सुनील अरोरा को तत्काल गिरफ्तार कर गिरफ्तारी के तुरंत बाद पुलिस ने उसके के मकान पर दबिश दी। जांच टीम ने घर के कोने कोने को खंगाला जिसमें विभिन्न प्रकार के दस्तावेज बरामद करने की बात कही जा रही है। हालांकि इस संबंध में पुलिस के द्वारा कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है यह कार्यवाही करीब 5 घंटे से अधिक समय तक चली। 2 मई को सुनील अरोरा को वारासिवनी न्यायालय में पेश कर जहां न्यायालय ने 6 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

बेनामी संपत्ति होने का संदेह

पुलिस की जांच का एक सिरा लिमन वड़ीवा नामक व्यक्ति से भी जुड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील अरोरा द्वारा खरीदी गई अधिकांश संपत्तियां इसी व्यक्ति के नाम पर दर्ज हैं। पुलिस अब बेनामी संपत्ति के कोण से भी पूछताछ कर रही है।

थाने पहुंच रहे पीड़ित

सुनील अरोरा की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही वारासिवनी थाने में पीड़ितों का तांता लग गया है। आधा दर्जन लोग अपनी आप बीती सुनाने पुलिस के पास पहुंच रहे हैं। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि किस तरह उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और आर्थिक रूप से कंगाल बनाने की कोशिश की गई।

सुनील अरोरा ब्याजी के नाम पर लोगो को सपंति को हड़पता है- सुनील अड़में

शासकीय शिक्षक सुनील अड़मे ने बताया की सुनील अरोरा के पैसे के संबंध में थाने में मेरा आना हुआ था। मैंने सुनील आरोरा से 1 लाख रूपये कर्ज लिया था। इसने उससे कई अधिक रुपए मेरे से ले लिए मेरा चेक इसके पास है हमने पूरे रुपए दे दिए हैं परंतु चेक वापस नहीं कर रहा है। करीब 5 वर्ष की यह बात हो गई है हर महीने 8000 रूपये मैं इसे देता हूं 10 प्रतिशत ब्याज पर था मुद्दल की जो राशि थी उससे ज्यादा रुपए मैं दे चुका हूं। इस मामले की शिकायत हमने पहले कर चुके थे अभी हम थाने में बयान दर्ज करवाने के लिए आए हुए हैं।

सुनील आरोरा से 2 लाख रूपये लिये थे जिसका हमने 5 लाख रूपये घर बेचकर दिये है-सपना मेश्राम

श्रीमती सपना मेश्राम ने बताया कि मुझे पता चला कि सुनील अरोरा गिरफ्तार हुआ है। हमसे भी इसने बहुत रुपए लिया है 2 लाख रूपये हमने लिए थे इसके हमे 5 लाख रूपये देना पड़ा यानी 3 लाख रूपये ब्याज दिया। यह व्यक्ति हर महीने हमारे घर और दुकान में रुपए लेने के लिए आता था। हम इतने प्रताड़ित थे कि हमें अपना मकान बेचना पड़ा जिनकी रजिस्ट्री 1 जुलाई को हुई और हमने मकान बेचकर इसे पूरा पैसा दिया। परंतु इसके पास मेरा और मेरे पति का चेक रखा हुआ था वह मांगने पर यह और रुपए मांगने लगा। पुराना ब्याज बचा है बोलकर अब हमने वह घर द्वार सब बेच दिया और इसे रुपए कहां से लाकर देंगे। इसने जब चेक वापस नहीं किया उल्टा हमें नोटिस भेजा की रुपए दो अभी पुलिस अधिकारी से चर्चा हुई। उन्होंने आवेदन देने के लिए कहा है मेरे जैसे बहुत से लोग हैं ऐसे भी कुछ लोग हैं जिनकी जमीन इसने रख लिया है। जरूर वाले लोगों को यह ढूंढता था अब यह हम पर दबाव बना रहा था।

मैं सुनील अरोरा से बहुत परेशान हूं जो मुझे न्याय चाहियें- खेमेंद्र धार्मिक

खेमेन्द्र धार्मिक ने बताया कि जानकारी मिली कि सुनील अरोरा गिरफ्तार हुआ है तो मैं भी अपनी शिकायत लेकर थाना आया। वर्ष 2013 में मैं शादी किया था उस समय मुझे रुपए की आवश्यकता थी तो इन्होंने मुझे मदद की कभी 10 कभी 5 हजार रुपए करके करीब 65000 रूपये इन्होंने दिए। वर्ष 2013 से प्रतिदिन 300 रूपये रोज और महीने का 9000 रुपए मैं दे रहा था। मेरा चेक घर के दस्तावेज सुनील अरोरा के पास पड़े हैं अभी तक इसने नहीं दिया है और ना ही मेरा कर्जा स्पष्ट किया है। मैं इससे बहुत प्रताड़ित हूं बड़ा भाई जैसा लगता था पर यह हर समय मुझे प्रताड़ित करता था। मेरे रुपए देने के दो व्यक्ति गवाह है आज जब यह सार्वजनिक रूप से हो रहा है तो मैं भी शिकायत करने के लिए आया हूं। 2013 से आज 2026 हो गया है कितना पैसा हम इसे देंगे एक चेक का हमें डर है जो शासन ने क्यों बनाया पता नहीं हमारे भी बीवी बच्चे हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बालाघाट के नेतृत्व में खेल एंव युवा कल्याण विभाग द्वारा इस वर्ष ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) का आयोजन नवीन स्वरूप में होने जा रहा है। यह शिविर खेल प्रशिक्षण के साथ फिटनेस, व्यक्तिव विकास एंव सामाजिक जागरूकता का समग्र मंच प्रदान कर प्रतिभाशाली विधार्थियों को उत्कृष्ट खिलाडी बनने हेतु तैयार करेगा।

दिनांक 01 मई से 30 मई 2026 के मध्य 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय पर विभिन्न खेलो का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह-2026) में नवीन उददेश्यों, विद्यार्थियों में खेलो के प्रति रुचि विकसित करना, शारीरिक एंव मानसिक स्वास्थ को सुदृढ करना, प्रतिभाशाली खिलाडियो को पहचान एंव प्रोफाईलिंग, व्यक्तिव विकास एंव नेतृत्व क्षमता का निर्माण, युवाओं को नशामुक्ति साइबर सुरक्षा एंव सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना, परिवार एंव समाज को फिटनेस एंव संस्कृति से जोडना तथा महिलाओं को आत्मरक्षा से संबंधित खेलो में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

जिले के मुलना स्टेडियम में फुटबाल, किकेट, खो-खो, एथलेटिक्स, कराते, बैडमिन्टन, व्हालीवॉलि शहीद चन्द्रशेखर आजाद हॉकी एस्टोटर्फ में हॉकी, म्यूनसिपल स्कूल में बास्केटबॉल, पुलिस लाईन एवं एमएलबी ग्राउण्ड में व्हालीवॉल, मॉयल ग्राउण्ड भरवेली में फुटबाल, पावरजोन हेल्थ क्लब में वेटलिफ्टिग खेल एवं सभी ब्लॉक मुख्यालय में खेल प्रशिक्षण का शुभांरभ 01 मई से जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री राहुल बारेसा के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ।

ट्रैक्टर ट्रॉली से गिरकर मजदूर की मौत

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने पुलिया पर शव रख किया चक्काजाम

सागर देवगड़े। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम पिपरिया में एक हृदय विदारक दुर्घटना सामने आई है। जहाँ ट्रैक्टर ट्रॉली पर लदे पैरे के ऊपर बैठे एक 38 वर्षीय मजदूर की दचका लगने से नीचे गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव को उसी पुलिया पर रखकर करीब तीन घंटे तक धरना प्रदर्शन किया जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पिपरिया निवासी रोशन पगरवार 38 वर्ष जो पेशे से मजदूर था। शनिवार को गांव के ही ओमप्रकाश माहुले के ट्रैक्टर पर मजदूरी करने गया था। ट्रैक्टर चालक ओमप्रकाश खेत से ट्रॉली में पैरा भरकर वापस लौट रहा था। रोशन इसी ऊंचे लदे हुए पैरे के ऊपर बैठा हुआ था। जैसे ही ट्रैक्टर गांव के पास स्थित पुलिया पर पहुँचा वहाँ बने ब्रेकर पर ट्रैक्टर को जोरदार झटका लगा। संतुलन बिगड़ने के कारण रोशन सीधे नीचे जा गिरा और पुलिया की दीवार से टकरा गया। इस टक्कर में उसे सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। घायल रोशन को तत्काल सिविल अस्पताल ले जाया गया लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की तहरीर पर रामपायली पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और पंचनामा कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मुआवजे की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

शव गांव पहुँचते ही माहौल गमगीन और आक्रोशित हो गया। मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को उसी पुलिया पर रख दिया जहाँ दुर्घटना हुई थी। परिजनों की मांग थी कि पीडित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। क्योंकि रोशन ही अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। उसके पीछे उसकी पत्नी और दो छोटे ब च्चे हैं जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। करीब तीन घंटे तक चले इस धरना प्रदर्शन और चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची। अधिकारियों के द्वारा काफी देर तक परिजनों को समझाइश दी गई और नियमानुसार सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया गया। प्रशासन की समझाइश के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया और देर शाम मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया की घटना की सूचना मिलते ही सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचे। जहां पोस्टमार्टम कर अन्य कार्यवाही करने के उपरांत इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जांच में शामिल तथ्यों के आधार पर आगे कार्यवाही की जायेगी।

देवेंद्र गौतम
प्रधान आरक्षक
थाना रामपायली

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी,वारासिवनी पुलिस ने आरोपी प्रीतम डहरवाल को दबोचा

सागर देवगड़े। पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय में ऊंची पैठ और राजनीतिक रसूख का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को वारासिवनी पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी प्रीतम डहरवाल को न्यायालय में पेश कर पुलिस ने 6 दिनों की रिमांड पर लिया है जिससे पूछताछ में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर एक निवासी प्रीतम पिता शीतल प्रसाद डहरवाल 46 वर्ष वारासिवनी के द्वारा शंकरसाव पटेल शासकीय महाविद्यालय में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। जब शासन ने महाविद्यालय में आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया शुरू की तो प्रीतम ने इसका फ ायदा उठाकर युवाओं को नौकरी लगवाने का लालच देना शुरू कर दिया। इसमें प्रीतम डहरवाल के द्वारा युवाओं को नौकरी का सपना दिखाकर उनसे लाखों रुपए की मांग की जाती रही जिसे युवाओं के द्वारा दिया गया। परंतु ठगी प्रतीत होते ही रुपए की मांग भी तेज हो गई और शिकायत का दौर भी प्रारंभ रहा।

राजनीतिक पकड़ बताकर ऐंठे लाखों रुपए

आरोपी ने खुद की शासन और राजनीति में गहरी पकड़ होने का दावा करते हुए वारासिवनी, बालाघाट और लांजी क्षेत्र के कई युवाओं को अपने जाल में फंसाया। कटंझरी

निवासी पियूष राउत ने नौकरी की उम्मीद में आरोपी को करीब 3 लाख रुपए दिए थे। इसी तरह अन्य कई युवाओं से भी लाखों रुपए वसूले गए। जब लंबे समय तक ना तो नौकरी लगी और ना ही पैसे वापस मिले तो पीड़ितों ने ठगी का अहसास होने पर पुलिस अधीक्षक और स्थानीय थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपी।

पुलिस की कार्यवाही और गिरफ्तारी

पीड़ितों की शिकायत पर गंभीरता दिखाते हुए वारासिवनी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 181/26 दर्ज किया है। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318,4 और 3,5 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1 मई की शाम करीब 5.30 बजे आरोपी प्रीतम डहरवाल को नगर से गिरफ्तार कर लिया।

6 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

प्रीतम डहरवाल को 2 मई को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मामले की गंभीरता और ठगी गई राशि की बरामदगी सहित अन्य पीड़ितों की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने न्यायालय से रिमांड की मांग की थी। न्यायालय ने आरोपी को 6 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिमांड के दौरान प्रीतम डहरवाल से गहन पूछताछ की जाएगी। पुलिस को अंदेशा है कि ठगी का शिकार हुए युवाओं की संख्या और बढ़ सकती है तथा इस मामले में कुछ और महत्वपूर्ण सुराग हाथ लग सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र पर हमला और चुनावी प्रक्रिया की साख पर सवाल

पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी परिदृश्य ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिस प्रक्रिया को संविधान ने जनता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का माध्यम माना है, उसी प्रक्रिया के दौरान हिंसा, मारपीट, डराने-धमकाने और चुनावी मशीनों से छेड़छाड़ जैसे आरोप सामने आना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। हाल के घटनाक्रमों में भाजपा कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों पर हमले, बूथों पर तनाव और ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ की खबरें इस बात का संकेत देती हैं कि चुनाव केवल मतदान का कार्य नहीं रह गया है बल्कि शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है। इन घटनाओं के केंद्र में राजनीतिक दलों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा तो है ही, लेकिन उससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि क्या मतदाता वास्तव में बिना भय के अपना मताधिकार इस्तेमाल कर पा रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों पर हिंसा फैलाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक टकराव नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा है। चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से बूथ स्तर पर एजेंटों को निशाना बनाया गया, उम्मीदवारों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और खुलेआम मारपीट हुई, वह यह दर्शाता है कि कानून और व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि हर नागरिक बिना किसी दबाव के अपने मत का प्रयोग करे। लेकिन जब किसी पोलिंग एजेंट को घायल कर दिया जाता है या किसी उम्मीदवार को मतदान केंद्र के आसपास घेर लिया जाता है, तो यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर आघात है। सबसे गंभीर आरोप ईवीएम मशीनों के साथ छेड़छाड़ को लेकर सामने आए हैं। यदि किसी भी मतदान केंद्र पर किसी विशेष पार्टी के चुनाव चिन्ह के सामने टेप लगाया जाता है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता को बाधित करने का प्रयास माना जाएगा। इस प्रकार की घटनाएं लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट कहा है कि जहां भी ऐसी शिकायतें सही पाई जाएंगी, वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा। यह कदम आवश्यक है, लेकिन इससे यह सवाल भी उठता है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न ही क्यों हुई। राजनीतिक बयानबाजी भी इस पूरे माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना रही है। ममता बानर के नेतृत्व वाली सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं हो पा रहा है। वहीं सत्ताधारी दल इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करता है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच असली मुद्दा कहीं पीछे छूट जाता है, जो है आम मतदाता की सुरक्षा और स्वतंत्रता। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह जनता के विश्वास का प्रतीक होता है। यदि इस प्रक्रिया में हिंसा और डर का माहौल हावी हो जाए, तो यह विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। पश्चिम बंगाल में सामने आई घटनाएं यह संकेत देती हैं कि राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी दल की जीत या हार से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण हो।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम हेट स्पीच- डिजिटल युग में हेट स्पीच दंगों व नफरतों को खुला आमंत्रण- कानून पर्याप्त या क्रियान्वयन की चुनौती?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(डु) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है,भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की वह सख्ती से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है

वैश्विक स्तरपर संचार क्रांति ने जिस गति से समाज को बदला है,वह अभूतपूर्व है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और 24*7 ब्रॉडकास्ट मीडिया के विस्तार ने सूचना के प्रवाह को इतना तेज बना दिया है कि अब किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो,राजनीतिक नेता हो या धार्मिक वक्ता,इनका एक शब्द भी कुछ ही मिनटों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। यह तकनीकी प्रगति जहां लोकतंत्र को मजबूत करने, विचारों के आदान-प्रदान और पारदर्शिता बढ़ाने का माध्यम बनी है,वहीं इसके नकारात्मक पहलू भी उतनी ही तेजी से सामने आए हैं। खासकर हेट स्पीच यानें नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की भावना के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब कोई भड़काऊ बयान, अफवाह या सांप्रदायिक टिप्पणी वायरल होती है, तो उसका प्रभाव केवल डिजिटल दुनियाँ तक सीमित नहीं रहता, वह वास्तविक जीवन में तनाव,अविश्वास, हिंसा और यहां तक कि दंगों का कारण बन सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत समेत दुनियाँ के कई देशों में हेट स्पीच को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज हुई है।इसी पृष्ठभूमि में 29 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसने इस बहस को नई दिशा दी।अदालत ने हेट स्पीच को रोकने के लिए नए दिशानिर्देश बनाने या अतिरिक्त न्यायिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए स्पष्ट कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा इन अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। यह निर्णय केवल कानूनी दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्रमें शक्तियों के पृथक्करण न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन को भी स्पष्ट करता है। साथियों बात अगर हम हेट स्पीच के खिलाफ दायर याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं ने तर्क को समझने की करें तो उन्होंने तर्क दिया था कि वर्तमान कानून अस्पष्ट हैं और उनका प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो रहा हैउनका कहना था कि राजनीतिक भाषणों, धार्मिक सभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही नफरत समाज में विभाजन को बढ़ा रही है और इसके लिए एक स्पष्ट, सख्त और समग्र कानून की आवश्यकता है। कोरोना जिहाद जैसे विवादित नैरेटिव और विभिन्न धार्मिक मंचों से दिए गए भड़काऊ भाषणों का उदाहरण देते हुएउन्होंने अदालत से मांग की थी कि वह इस दिशा में ठोस दिशानिर्देश जारी करे। लेकिन अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और दोहराया कि कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास है, न कि न्यायपालिका के पास। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक न्यायालय कानून की व्याख्या कर सकते हैं और मौलिक अधिकारों को लागू करवा सकते हैं, लेकिन वे खुद कानून नहीं बना सकते। साथियों बात अगर हम इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह यह है कि अदालत ने भारतीय न्यायिक परंपरा को कायम रखते हुए विधायी शून्य (लेजिस्लेटिव वॅक्यूम) की अवधारणा को खारिज किया। अदालत ने कहा कि भारत में पहले से ही ऐसे कई कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, जो हेट स्पीच से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के तौर पर, भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराएं जैसे धारा 196 (वैमनस्य फैलाना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और अन्य प्रावधान स्पष्ट रूप से इस तरह के अपराधों को कवर करते हैं। इसके अलावा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में भी ऐसे प्रावधान हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि संज्ञेय अपराधों के मामलों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य हो। अदालत ने यह भी बताया कि यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करने में विफल रहती है, तो पीड़ित व्यक्ति पुलिस अधीक्षक या मजिस्ट्रेट के पास जाकर न्याय प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार, कानूनी ढांचे में पर्याप्त उपाय मौजूद हैं,जरूरत है तो केवल उनके सही और समय पर उपयोग की।हालाँकि अदालत ने यह भी स्वीकार किया कि यदि बदलते समय और सामाजिक चुनौतियों के अनुसार नए कानूनों या संशोधनों की आवश्यकता महसूस होती है, तो केंद्र और राज्य सरकारें इस पर विचार कर सकती हैं। इस संदर्भ में 2017 की लॉ कमीशन की 267वीं रिपोर्ट का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है, जिसमें हेट स्पीच से संबंधित कानूनों को और स्पष्ट करने के सुझाव दिए गए थे। लेकिन अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह निर्णय विधायिका के विवेक पर निर्भर करता है, न कि न्यायपालिका के निर्देश पर। साथियों बात अगर हम इस पूरे मामले में सबसे जटिल और महत्वपूर्ण सवाल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और हेट स्पीच के बीच संतुलन का है इसको समझने की करें तो, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(डु) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं,जैसे कि सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इस संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने संकेत दिया कि हर आपत्तिजनक या कठोर बयान को हेट स्पीच नहीं माना जा सकता। यदि ऐसा किया गया, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का अनावश्यक हनन होगा। इसलिए, केवल वही भाषण प्रतिबंधित होना चाहिए जो वास्तव में हिंसा, घृणा या वैमनस्य को बढ़ावा देता हो।यह दृष्टिकोण भारतीय न्यायप्रणाली के पिछले कई महत्वपूर्ण फैसलों के अनुरूप है। उदाहरण के लिए, प्रवासी भलाई संगठन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हेट स्पीच से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त हैं और समस्या उनके क्रियान्वयन में है। इसी तरह, श्रेया सिंघल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में अदालत ने आईटी एक्ट की धारा 66 को रद्द करते हुए यह स्पष्ट किया था कि केवल वही भाषण प्रतिबंधित किया जा सकता है जो उकसावे की श्रेणी में आता है। इस फैसले ने डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं को सटीक रूप से परिभाषित किया। साथियों बात अगर हम इस विषय पर पूर्व में दिए गए माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को समझने की करें तो सुब्रमण्यम स्वामी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्ण नहीं है और इसमें दूसरों की प्रतिष्ठा और गरिमा की रक्षा भी शामिल है। वहीं तहसीन एस. पूनावाला बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में अदालत ने मॉब लिंचिंग और हेट स्पीच के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सरकारों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हाल के वर्षों में अमिश देवगन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया ने हेट स्पीच की परिभाषा को और स्पष्ट किया, यह बताते हुए कि ऐसा भाषण जो किसी समुदाय के खिलाफ घृणा या हिंसा को बढ़ावा देता है, वह हेट स्पीच के दायरे में आता है इन सभी फैसलों को एक साथ देखने पर यह स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट का दृष्टिकोण लगातार संतुलित और सुसंगत रहा है। अदालत ने न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूर्ण रूप से निरंकुश होने दिया है और न ही हेट स्पीच के नाम पर इसे अत्यधिक सीमित किया है।बल्कि उसने एक मध्य मार्ग अपनाया है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव दोनों की रक्षा की जा सके।फिर भी, सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब कानून मौजूद हैं, तो हेट स्पीच की घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं? इसका उत्तर प्रशासनिक और राजनीतिक क्रियान्वयन में निहित है। कई मामलों में देखा गया है कि पुलिस समय पर एफआईआर दर्ज नहीं करती, जांच में देरी होती है या निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। कभी-कभी राजनीतिक दबाव या सामाजिक ध्रुवीकरण भी कार्रवाई को प्रभावित करता है। ऐसे में अदालत का यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि कानून की प्रभावशीलता उसके अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके निष्पक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन में है।

साथियों बात अगर हमडिजिटल युग में हेट स्पीच की चुनौती और भी जटिल हो गई है इसको समझने की करें तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एल्गोरिदम के माध्यम से ऐसे कॉन्टेंट को तेजी से फैलाते हैं, जो अधिक विवादास्पद या भावनात्मक होता है। इससे नफरत फैलाने वाले संदेशों का प्रसार और भी तेज हो जाता है। इसके अलावा, फेक न्यूज और अफवाहें भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। इसलिए केवल कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं हैं इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और शैक्षिक स्तर पर भी प्रयास आवश्यक हैं।समाधान के रूप में एक बहु- आयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना होगा। पुलिस और प्रशासन को प्रशिक्षित और जवाबदेह बनाना होगा ताकि वे समय पर और निष्पक्ष कार्रवाई कर सकें।दूसरा,सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त नीतियां लागू करनी होंगी। तीसरा, समाज में जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है ताकि लोग नफरत फैलाने वाले भाषणों को पहचान सकें और उनके खिलाफ आवाज उठा सकें।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

3 मई विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर विशेष आलेख)

शांति के भविष्य का निर्माण- स्वतंत्र प्रेस की निर्णायक भूमिका

- सुनील कुमार महला

मीडिया की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की मजबूती के संदर्भ में हर वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि मीडिया केवल समाचार देने का ही माध्यम नहीं है, बल्कि यह विश्व में शांति, पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने का भी एक सशक्त व शानदार उपकरण है। कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश में प्रेस की स्थिति उसके लोकतंत्र की मजबूती का असली दर्पण होती है, शायद यही कारण भी है कि इसे 'लोकतंत्र का आईना' भी कहा जाता है। वास्तव में, प्रेस की स्वतंत्रता सीधे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी है, जो एक मौलिक मानव अधिकार है।सच तो यह है कि यह केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार भी है।पाठक जानते होंगे कि कई देशों में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी एक बड़ी चुनौती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को समझाना, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

यदि हम इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो वर्ष 1991 में नामीबिया(अफ्रीका) में आयोजित सम्मेलन में 'विंडहोक घोषणा' को अपनाया गया था, जिसमें स्वतंत्र, बहुलवादी और मुक्त प्रेस का आह्वान किया गया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1993 में 3 मई को इस दिवस के रूप में घोषित किया। गौरतलब है कि यह प्रस्ताव यूनेस्को के 26वें महासम्मेलन में पारित किया गया था।यहां उल्लेखनीय है कि इस दिवस पर हर वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। वर्ष 2026 में यह सम्मेलन लुसाका (जाम्बिया) में आयोजित हो रहा है, जहां पत्रकार, तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और मानवाधिकार कार्यकर्ता एक साथ विचार-विमर्श करते हैं। इतना ही नहीं, इसी अवसर पर यूनेस्को द्वारा 'गिलर्मो कैनो विश्व प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार' भी प्रदान किया जाता है, जो उन पत्रकारों को सम्मानित करता है, जिन्होंने जोखिम उठाकर सत्य को निष्पक्षता और निडरता से दुनिया के सामने उजागर किया।बहुत कम लोग जानते हैं कि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स हर वर्ष 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक' जारी करता है, जिससे यह आकलन किया जाता है कि किस देश में मीडिया कितनी स्वतंत्र है। वास्तव में, यह सूचकांक वैश्विक स्तर पर प्रेस की स्थिति को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

आज एआइ व संचार क्रांति का दौर है और आज के डिजिटल युग में प्रेस की परिभाषा और स्वरूप दोनों बदल गए हैं। पहले जहां अखबार, रेडियो और टीवी प्रमुख थे, वहीं अब इंटरनेट और सोशल मीडिया भी 'डिजिटल प्रेस' का रूप ले चुके हैं। आम नागरिक भी अब सूचना के प्रसार में भागीदारी कर रहे हैं। इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है, लेकिन 'फेक न्यूज' और दुष्प्रचार का खतरा भी बढ़ गया है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा की हैं। यह खबरों के संग्रह और विश्लेषण को तेज बनाती है, लेकिन इसका दुरुपयोग गलत सूचनाएं फैलाने में भी हो सकता है। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि लोगों को कौन-सी खबर दिखाई जाएगी, जिससे 'अदृश्य नियंत्रण' का एक नया स्वरूप उभर रहा है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जो समकालीन चुनौतियों को दर्शाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-बहादुर नई दुनिया में रिपोर्टिंग' प्रेस स्वतंत्रता और मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव। वास्तव में, यह थीम खास तौर पर इस बात पर केंद्रित थी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) पत्रकारिता, मीडिया और सूचना प्रणाली को कैसे बदल रही है।एआइ-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)पत्रकारिता को तेज और प्रभावी बना रही है,लेकिन साथ ही फेक न्यूज, डीपफेक और दुष्प्रचार जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ा रही है इस थीम का मुख्य संदेश था कि तकनीक का उपयोग इस तरह किया जाए कि वह प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करे, कमजोर नहीं।वर्ष 2026 की थीम है-शांति के भविष्य का निर्माण- मानवाधिकार, विकास और सुरक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता को बढ़ावा देना।

भारत के संदर्भ में, संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन यह अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। यह नागरिकों को बिना किसी भय के अपनी बात रखने का अधिकार देता है।हालाँकि; राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के आधार पर कुछ सीमाएं भी लागू होती हैं। गौरतलब है कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारतीय प्रेस परिषद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया जैसे संस्थान कार्यरत हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के समय में प्रेस और पत्रकारिता के समक्ष कई चुनौतियां मौजूद हैं। मसलन-पत्रकारों पर हमले, धमकियां, मानहानि के मुकदमे, मीडिया स्वामित्व का केंद्रीकरण, सरकारी विज्ञापनों पर निर्भरता, राजद्रोह और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानून, तथा 'सेल्फ-सेंसरशिप'। ये सभी प्रेस की स्वतंत्रता को प्रभावित करते हैं। बहरहाल, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में हर वर्ष 16 नवंबर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है, जो प्रेस की जिम्मेदारी और स्वतंत्रता को याद दिलाता है। प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और 'वॉचडॉग' की भूमिका निभाता है। यह सरकार और अन्य शक्तिशाली संस्थानों की जवाबदेही सुनिश्चित करता है, भ्रष्टाचार को उजागर करता है और नागरिकों को जागरूक बनाता है। प्रसिद्ध पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट ने कहा था-प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि यह स्वयं लोकतंत्र है। वहीं अल्बर्ट कैमस के अनुसार-स्वतंत्र प्रेस अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन स्वतंत्रता के बिना वह कभी अच्छा नहीं हो सकता। और फिनले पीटर डन ने पत्रकारिता का सार बताते हुए कहा था कि-पत्रकारिता का कर्तव्य पीड़ितों को सांत्वना देना और शक्तिशाली लोगों को असहज करना है।

अंततः, प्रेस की स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र, पारदर्शिता और विकास का आधार है। इसकी रक्षा करना सरकार, मीडिया और नागरिक-तीनों की साझा जिम्मेदारी है।

न्यूक्लियर हथियार लिख देंगे समूची सभ्यता के विनाश की इबारत

न्यूक्लियर हथियार समूची दुनिया के विनाश की इबारत लिख सकते हैं। विश्व के तमाम कथित प्रगतिशील ताकतवर देशों ने सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जोड़ रखा है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने की क्षमता जुटा ली गयी है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवी रखा जा रहा है?

वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव (इजरायल-ईरान), और चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरों और कारणों की मुख्य बातें ये हैं।

रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं।

दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ोतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे न्यू स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही।

हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं, सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं। यह बात ध्यान देने योग्य है कि अमरीका अपनी लम्बी दूरी की मिसाइल परीक्षण प्रणाली पर अरबों डॉलर रकम खर्च कर चुका है परंतु इसके बावजूद उसे टिकाऊ सुरक्षा प्राप्त नहीं हो सकी और अभी तक अमरीका हथियारों के निर्माण और फिर उन्हें समाप्त करने पर करदाताओं के 10 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। यह इतनी रकम है कि इससे गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट का ज्यादातर हिस्सा खरीदा जा सकता था।

आपको बता दें इस समय स्थिति यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प के अंतर्गत अमरीका कोई संधि नहीं करना चाहता और यह बात तो रूस के अनुकूल ही है कि वह न्यूक्लियर हथियार बनाए। परंतु इसमें हानि किसकी है? इसमें हानि सारी दुनिया की है कि इतना धन खर्च करके न्यूक्लियर हथियार बनाने के बाद जिस स्थान पर उनका परीक्षण किया जाएगा, उस स्थान और उसके आसपास के लोगों का भारी नुकसान होगा।

दरअसल पिछली बार रूस ने जहां न्यूक्लियर हथियारों का परीक्षण किया था, उसके आसपास रहने वाले लोगों को वैसी ही समस्याओं से जूझना पड़ा था, जैसी समस्याओं और बीमारियों का सामना चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में लीकेज के समय लोगों को करना पड़ा था।

यदि कोई देश ऐसा करने के लिए भड़क उठे तो यही समस्याएं पैदा होंगी। कोल्ड वॉर के बाद अब पहली बार देश अपने हथियारों का जखीरा और इस्तेमाल के लिए तैयार बम बढ़ा रहे हैं। 2026 की शुरुआत तक 9 न्यूक्लियर हथियार वाले देशों के पास लगभग 12,187 वॉरहेड थे और इनकी बहुती संख्या को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

न्यूक्लियर हथियारों से सम्पन्न लगभग सभी 9 देश अपने वर्तमान मौजूदा हथियारों को अपग्रेड करने के साथ-साथ इनमें नए एवं अधिक उन्नत संस्करण वाले हथियारों की वृद्धि कर रहे हैं। हालांकि इस्राईल के पास भी काफी न्यूक्लियर हथियार हैं परंतु इनकी घोषणा न करने के कारण इसराईली को इनमें नहीं गिना जाता।

बता दें ये देश इस्तेमाल के लिए तैयार हथियारों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइलों पर तैनात या बॉम्बर बेस पर स्टोर किए गए इस्तेमाल के लिए तैयार न्यूक्लियर हथियारों की संख्या बढ़ा रहे हैं जो इस समय बढ़कर लगभग 9,745 हो गई है जो वर्ष 2024 से 141 अधिक है।

इस समय अमरीका व रूस के पास ही दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत न्यूक्लियर हथियार हैं। चीन भी अपने हथियारों का भंडार काफी बढ़ाने के अलावा अपने एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम की टैस्टिंग भी कर रहा है।

इन हालात में ग्लोबल न्यूक्लियर रूलबुक कमजोर हो रही है और उक्त संधि चुनौतियों का सामना कर रही है। सैन्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और मिडल ईस्ट तनाव सहित बढ़ते झगड़ों के कारण न्यूक्लियर हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पिछले एक दशक के दौरान इस समय अपने सबसे ऊंचे स्तर पर है और इस होड़ के फैलने का खतरा चिंताजनक मोड़ पर है। इसका कारण यह है कि दुनिया के वर्तमान हालात में अधिक देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए न्यूक्लियर हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।इन दिनों कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिणामस्वरूप भी तकनीकी खतरे बढ़ गए हैं और नए हथियारों के हाइपरसोनिक डिलीवरी सिस्टम के इंटीग्रेशन से सैन्य मामलों पर फैसले लेने के लिए उपलब्ध समय कम हो रहा है, जिससे अचानक या तेजी से न्यूक्लियर हमले का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में इस संधि का नवीकरण न किए जाने की स्थिति में दुनिया को न्यूक्लियर हथियारों से होने वाली एक और तबाही के लिए तैयार रहना होगा वहीं तमाम मानवता के संदेश निरर्थक हो जाएंगे।

-मनोज कुमार अग्रवाल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख से शनिवार को तिलहनों में सोयाबीन सहित सरसो व रायडा सुधार पर रहा। खाद्य तेलों में मजबूती रही। दलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में हल्दी व जीरा मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तिलहनों में सोयाबीन सहित अन्य तिलहनों में पूछपरख से भावों में सुधार रहा। खाद्य तेलों में मजबूती कायम रही। दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही देखा गया। चने में बाजार 5675-5725 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये। उधर, किराना जिंसों में ग्राहकी सामान्य रही। हल्दी व जीरे में बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4125-4200, खोपरा गोला 340-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2500, सोया साल्वेंट 1400-1405, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1420, धूलिया 1425, कड़ी 1430,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7400-7600, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 6200-6400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5950-6000, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 245000, चाँदी (99) 244800, टंच 244000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152000,

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी से खाने-पीने की चीजें होंगी महंगी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में पहली बार वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में एकमुश्त 1,000 रुपये की रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोतरी की गई है। इस ऐतिहासिक वृद्धि के साथ अब होटल और रेस्तरां में खाना-पीना महंगा होना तय है, जिससे पहले से ही दबाव में चल रहा हॉस्पिटैलिटी उद्योग गंभीर संकट में घिर गया है। उद्योग संगठनों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर इस मूल्य वृद्धि को वापस लेने की मांग की है। वाणिज्यिक एलपीजी के 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर का दाम अब 993 रुपये की वृद्धि के साथ 3,071.50 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। एजेंसी। मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही। सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,303 पर, और निफ्टी 194 अंक चढ़कर 24,092 पर बंद हुए, जिससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली। मंगलवार को

बाजार की गति धीमी रही। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट से नरमी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी भी 42 अंक लुढ़का। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर हुआ। दिन के मध्य में सुधार का प्रयास टिकाऊ नहीं रहा। अंततः, सेंसेक्स 416 अंक गिरकर 76,886 पर, और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995 पर बंद हुए, जिससे यह 24 हजार के स्तर से नीचे चला गया। बुधवार को बाजार ने शानदार वापसी की। ईरान-अमेरिका तनाव कम होने की उम्मीद और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर भारतीय शेयर बाजार में तेजी लौटी। मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,100 के पार निकल गए। अंत तक सेंसेक्स 609 अंक उछलकर 77,496 पर, जबकि निफ्टी 24,177 पर पहुंचा। सप्ताह का अंत फिर नकारात्मक रहा। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के बीच प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई।

भारत महंगाई बढ़ाए बिना हासिल कर सकता है तेज आर्थिक वृद्धि-आरबीआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि भारत बिना महंगाई दर में वृद्धि किए 7.5 प्रतिशत से अधिक की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रखने की क्षमता रखता है। उन्होंने आइजैक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी ग्रोथ कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए देश की अंतर्निहित आर्थिक क्षमता पर गहरा विश्वास व्यक्त किया। गुप्ता ने बताया कि पिछली कुछ तिमाहियों में भारत की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत के आसपास रही है, जबकि महंगाई दर 4 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। उन्होंने जोर दिया कि अर्थव्यवस्था की यह अंतर्निहित क्षमता ही बिना महंगाई बढ़ाए उच्च वृद्धि दर हासिल करने का आधार है। उन्होंने देश के भुगतान संतुलन पर भी भरोसा जताया, इसे चक्रीय के बजाय संरचनात्मक नींव पर आधारित बताया। रेमिटेंस, शुद्ध सेवा निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की आवक को स्थायी स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि ये वैश्विक झटकों के बावजूद स्थिर रहते हैं। मौद्रिक नीति के असर को लेकर डिप्टी गवर्नर ने मौजूदा नरमी के चक्र का जोरदार बचाव किया। उन्होंने बॉन्ड यील्ड के प्रभावों को खारिज करते हुए कहा कि दरों का उधारी लागत पर ट्रांसमिशन बहुत अच्छा रहा है, खासकर शॉर्ट और मिडिल एंड में प्रभावी रहा है। गुप्ता ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) बास्केट को हर 3-5 साल में अद्यतन करने और खाद्य जैसी अस्थिर वस्तुओं का भार कम करने का सुझाव दिया, ताकि खपत के बदलते स्वरूप को बेहतर ढंग से दर्शाया जा सके। उन्होंने भविष्य में मुख्य महंगाई दर और क्षेत्रीय विविधता पर अधिक ध्यान देने की बात भी कही।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के वित्त पर दबाव, फिर भी पूंजीगत खर्च प्राथमिकता

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय के व्यय सचिव वी. वी. वुआलनम ने स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन आयात में व्यवधान और पेट्रोल-डीजल पर सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती से भारत की वित्तीय स्थिति पर भारी दबाव है। हालांकि, उन्होंने राजकोषीय विवेक के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और पूंजीगत व्यय को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। अशोक विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए वुआलनम ने कहा कि वित्तीय दबाव वास्तव में बहुत बड़ा है, लेकिन सरकार वित्त वर्ष 2027 के लिए 12 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय के बजट अनुमान को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह खर्च मुख्य रूप से राजमार्ग, रेलवे, शिपिंग, बंदरगाह और शहरी विकास क्षेत्रों में होगा। व्यय सचिव ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा की है, हालांकि सरकार सक्रिय रूप से इससे निपटने में लगी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती की गई है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में अनुमानित 1.5 लाख करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान होगा। इसके बावजूद, सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी और वित्त वर्ष 2026 के लिए 4.4 फीसदी पर सीमित रखना है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गोल्डीलॉक्स मोमेंट (तेज आर्थिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति) का दौर बदल गया है, जिससे आने वाले महीनों में सकल कर प्राप्तियों की वृद्धि पर सवाल खड़ा हो गया है। इसी कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने बैंकिंग क्षेत्र में सुधार की बात करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर एक उच्चस्तरीय समिति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बहीखाते की समीक्षा करेगी। उन्होंने लंबी अवधि के वित्तपोषण के लिए बॉन्ड बाजार की आवश्यकता पर भी जोर दिया, क्योंकि बैंक इसके लिए उपयुक्त माध्यम नहीं हैं। बॉन्ड बाजार कंपनियों को सीधा पूंजी मार्ग, बेहतर मूल्य खोज और प्रतिस्पर्धा प्रदान करेगा।

मेष- आज किस्मत आपके साथ खड़ी है, बस आपको कदम बढ़ाना है। व्यापार में सफलता के संकेत साफ दिख रहे हैं और नौकरी वालों के लिए प्रमोशन की चर्चा हवा में है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। राजनीति से जुड़े हैं तो जनसमर्थन बढ़ेगा। एक बड़ा सपना नया घर अब हकीकत बनने की ओर है, बस पिता का आशीर्वाद और सलाह लेना मत भूलिए।

वृषभ- आज सुकून आपके पास खुद चलकर आएगा। जो चिंता आपको अंदर ही अंदर खाए जा रही थी, वो खत्म होती नजर आएगी। ननिहाल पक्ष से धन लाभ आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगा। रुके हुए सरकारी काम भी अब गति पकड़ेंगे। बस ध्यान रखें। हर बात में बोलना जरूरी नहीं होता। समय और पैसे का सही इस्तेमाल ही आज की जीत है।

मिथुन- नई शुरुआत का संकेत है। लेकिन जल्दबाजी नहीं, समझदारी जरूरी है। दिल की कोई बड़ी इच्छा आज पूरी हो सकती है। परिवार के साथ खास पल बिताने का मौका मिलेगा, खासकर जीवनसाथी और बच्चों के साथ। पढ़ाई करने वालों के लिए आज फोकस ही सफलता की चाबी है। बहस से दूरी बनाए रखें, वरना छोटी बात बड़ी बन सकती है।

कर्क- दिन सामान्य है, लेकिन अपनों का साथ इसे खास बना देगा। घर में साफ-सफाई और मेहमानों का आना माहौल को खुशनुमा बना देगा। कानूनी मामलों में थोड़ा सतर्क रहें।लापरवाही भारी पड़ सकती है। और हाँ, हर बात पड़ोसियों से शेयर करना जरूरी नहीं होता॰ शांति बनाए रखना ही समझदारी है।

सिंह- आज आपका दिन चमकने वाला है। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है। परिवार और दोस्तों का पूरा साथ मिलेगा। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आप आगे बढ़ेंगे। कला और हुनर में निखार आएगा। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं। बस ध्यान रखें। हर नई पहचान जरूरी नहीं कि सुकून दे।

कन्या- आपकी मीठी वाणी आज आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। लोग खुद-ब-खुद आपकी ओर आकर्षित होंगे। छात्रों के लिए दिन शानदार है। रुके हुए काम पूरे होने लगेंगे। कहीं घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है जो आपके काम आ जाए। सामाजिक कार्यक्रम में जाने का मौका मिलेगा। और वहीं से कोई नया अवसर भी।

तुला- आज पैसा और आत्मविश्वास दोनों आपके साथ हैं। रचनात्मकता आपको नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। पार्टनरशिप वाले काम में सफलता मिलेगी। लेकिन एक चेतावनी। किसी को उधार देना आज नुकसान दे सकता है। अपने अनुभवों पर भरोसा रखें, वही आपको सही रास्ता दिखाएंगे।

वृश्चिक- आज आपका आकर्षण लोगों को आपकी ओर खींचेगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और मन की चिंता भी दूर होगी। लेकिन पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। किसी के बहकावे में आकर कोई बड़ा रिस्क ना लें। वरना पछताना पड़ सकता है। काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप उसे संभाल लेंगे।

धनु- आज का दिन मिलाजुला है। कुछ खुशी, कुछ सीख। पुराने निवेश से फायदा मिलेगा और संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। लेकिन हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना जरूरी है। मेहनत के बावजूद रिजल्ट थोड़ा कम मिल सकता है, लेकिन निराश मत होइए। ये बस एक टेस्ट है। कोई भी वादा सोच-समझकर करें।

मकर- दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा और दिल की कोई इच्छा पूरी हो सकती है। रुके हुए कामों पर ध्यान देने का समय है। मां की सेहत पर खर्च बढ़ सकता है। परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर हलचल हो सकती है। दूसरों के कामों में ज्यादा उलझना आपको परेशानी में डाल सकता है। अपने ऊपर फोकस रखें।

कुंभ- नई नौकरी या नया अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकता है। आप अपने बॉस का दिल जीतने में सफल रहेंगे। दूसरों की मदद करने का भाव आपको खास बनाएगा, लेकिन अपने खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है। बच्चों की छोटी-छोटी खुशियां आज आपकी प्राथमिकता रहेंगी। यात्रा में वाहन से जुड़ी परेशानी खर्च बढ़ा सकती है।

मीन- आज गुस्से पर काबू रखना ही आपकी सबसे बड़ी जीत है। वाणी में संयम रखें, वरना बात बिगड़ सकती है। मेहनत का फल जरूर मिलेगा, लेकिन धैर्य जरूरी है। किसी भी जानकारी को बिना सोचे आगे बढ़ाना नुकसान कर सकता है। सरकारी काम में रुकावट आ सकती है। बच्चों से किया वादा जरूर निभाएं। यही आपका रिश्ता मजबूत करेगा।

शब्दजाल- 8247

मा	म	मा	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
हा	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भा
हे	वी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	ष	वी	म	मी	त	ल	न	भा
री	मी	स्कु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

शब्दजाल - 8246 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7191

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फराह की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया तेज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. चौंकी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल कहता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शाहरुख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7190

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 123 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 03.02 बजे रात को समाप्त। नक्षत्र विशाखा 07.10 बजे को समाप्त। योग वरीयान 22.28 बजे को समाप्त। करण तैतिल 13.55 बजे तदनन्तर गर 03.02 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 15.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872698
जूलियन दिन 2461163.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 15
विशेष विश्व हास्य दिवस।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहू	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.10 बजे से
मिथुन	08.08 बजे से
कर्क	10.22 बजे से
सिंह	12.38 बजे से
कन्या	14.50 बजे से
तुला	17.00 बजे से
वृश्चिक	19.15 ब. से
धनु	21.31 बजे से
मकर	23.36 बजे से
कुंभ	01.23 बजे से
मीन	02.56 बजे से
मेष	04.26 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा की भावना बनाती है महान

उड़ीसा के कटक शहर के उड़िया बाजार में एक बार प्लेग फैला। मच्छर और गंदगी के कारण लोग बहुत दुखी थे। केवल बापूपाड़ा मोहल्ला इससे बचा था क्योंकि वहां बहुत सारे वकील और बुद्धिजीवी रहते थे। वे अपने घरों और आसपास गंदगी नहीं रहने देते थे। वहां के कुछ लड़कों ने सफाई अभियान चलाने के लिए एक दल बनाया, जिसमें दस साल के बच्चों से लेकर अठारह साल तक के नौजवान शामिल थे। उस दल का मुखिया था बारह साल का बालक। उड़िया बाजार में हैदर अली नाम का एक कुख्यात व्यक्ति रहता था। बापूपाड़ा के लड़के जब उड़िया बाजार में साफ-सफाई करने आए तो हैदर अली ने उन्हें भगा दिया। असल में बापूपाड़ा के प्रति उसके मन में कटुता भरी हुई थी क्योंकि वहां के वकीलों ने उसे कई बार जेल भिजवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद हैदर अली की पत्नी और उसके बेटे को भी प्लेग हो गया। यह सुनते ही अभियान दल का मुखिया उनकी तीमारदारी में लग गया। हैदर अली ने उस लड़के से पूछा, 'तुमको डर नहीं लगता'? लड़के ने जवाब दिया, 'मैं क्यों डरूं?' हैदर अली ने कहा 'मैं तो बापूपाड़ावालों को गालियां देता हूं। सेवामंडल के लड़कों को तो मैंने अपना शत्रु समझकर भगा दिया और तुम मेरी पत्नी और बच्चे की सेवा कर रहे हो। हम तुम्हारी इस हिम्मत और उदारता से बड़े प्रभावित हैं। बेटा! मुझे माफ कर देना। मैंने तुम्हारी सेवा की कद्र नहीं की।' बालक ने कहा, 'आप तो हमारे पिता तुल्य हैं। माफी देने का अधिकार हमें नहीं है, हमें तो आपसे आशीर्वाद लेना चाहिए। आपकी पत्नी मेरी मां जैसी हैं और बेटा मेरे भाई जैसा है।' हैदर अली उस बच्चे की निष्काम सेवा और मधुर वाणी से इतना प्रभावित हुआ कि फूट-फूटकर रोने लगा। लड़के ने कहा, 'चाचा, आप फिक्र न करें। हमें सेवा का मौका देते रहें।' वह एक असाधारण बालक था जो आगे चलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से विख्यात हुआ।

सूडोकु नवताल- 7500

सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7499 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8715

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन, संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय, फतह-2
10. आम जनता, लोग-2
11. लाभ, कुल योग-2
13. निर्माण, कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट, विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह, अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध, रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत, मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी, गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी, आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण, स्त्रीय-3
12. वृतांत, घटना-3
16. हल, निष्कर्ष-4
17. राशन, भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट, अवरोध-3

शब्द पहेली -8714 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन आज

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर होंगे शामिल

दस दिवसीय श्रामणेर-बौद्धाचार्य धम्म प्रशिक्षण शिविर होगा सम्पन्न

दिनेश रामटेक्कर। लांजी।

दि. बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की मध्य प्रदेश राज्य शाखा के तत्वावधान में जिले के विभिन्न तहसील मुख्यालयों में दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के समापन अवसर पर आज 3 मई 2026 को लांजी तहसील मुख्यालय के रानी अवंती बाई स्टेडियम में राज्य स्तरीय विशाल बौद्ध महासम्मेलन आयोजित किया गया है।

संस्था ने आदर्श बौद्ध समाज के निर्माण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू किया है। 24 अप्रैल से 3 मई 2026 तक जिले के दस तहसील/सर्कल मुख्यालयों में दस दिवसीय श्रामणेर-बौद्धाचार्य धम्म प्रशिक्षण शिविर, उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविर, समता सैनिक दल का सैनिक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य शाखा की अनुशंसा और केंद्रीय शाखा मुंबई के निर्देशानुसार किया गया।

शिविर के समापन अवसर पर आज 3 मई को दोपहर 12.30 बजे से नगर के रानी अवंती बाई स्टेडियम में राज्य स्तरीय विशाल बौद्ध महासम्मेलन आयोजित किया गया है। इस महासम्मेलन में बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब मुख्य अतिथि होंगे तथा अध्यक्षता प्रमोद कुमार भीमटे तहसील अध्यक्ष लांजी, स्वागत अध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में कैप्टन प्रवीण निखाड़े (अंतरराष्ट्रीय सचिव, मुंबई), एड. एस. के. भंडारे (ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), एड. जगदीश गवई, बी. एच. गायकवाड गुरुजी (मुंबई), डॉ. चरनदास ढेंगरे (अध्यक्ष, मप्र राज्य शाखा, बालाघाट), गौतम पाटिल (राज्य संगठक, भोपाल), सी. एल. बौद्ध (राष्ट्रीय संगठक, दतिया), आर. सी. दिवाकर (अध्यक्ष, मप्र उत्तर, शिवपुरी), अनिल भाऊ मेश्राम (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, भिलाई) इसके अलावा मध्य प्रदेश राज्य शाखा, विभिन्न जिला शाखाओं, बालाघाट जिला तथा सभी तहसील शाखाओं के प्रमुख पदाधिकारी और बौद्ध आंबेडकरी अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। अशोक कुमार मेश्राम (जिलाध्यक्ष, बालाघाट) और प्रमोद कुमार भीमटे (तहसील अध्यक्ष, लांजी) ने सभी बौद्ध अनुयायियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे इस महासम्मेलन में उपस्थिति देकर धम्म लाभ लें तथा श्रामणेर शिविर में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द में विकास कार्यों का लोकार्पण, ग्रामीणों को मिली अनेक सौगातें

दिनेश रामटेक्कर। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द एवं ग्राम जिवनारा में शनिवार, 2 मई को विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनायक राव गौतम ने की।

कार्यक्रम के दौरान विधायक निधि एवं अन्य शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पूर्ण हुए कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। ग्राम जिवनारा में स्वर्गीय चिंतामन राव गौतम (प्रथम सांसद, बालाघाट) की स्मृति में लगभग 3 लाख रुपये की लागत से निर्मित भव्य तोरण द्वार का लोकार्पण किया गया, जो क्षेत्र की पहचान और गौरव का प्रतीक बनेगा। इसी प्रकार ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द में शीतला माता मंदिर परिसर में 2.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सभा गृह का उद्घाटन किया गया। यह भवन सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 14.36 लाख रुपये की लागत से निर्मित अनाज भंडारण गोदाम का लोकार्पण किया गया, जिससे किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में सुविधा मिलेगी। मोक्षधाम परिसर में ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1.50 लाख रुपये की लागत से शेड का निर्माण किया गया, वहीं ग्राम जिवनारा मोक्षधाम में भी 1.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। ये सभी कार्य ग्राम पंचायत निधि के माध्यम से पूर्ण किए गए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजकुमार करहि ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इनका अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही ग्रामीण विकास की नींव है और शासन का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद

राजनिरे, निलचंद हरिनखेड़े, जनपद सदस्य महेंद्र पटले, बलीराम शिवनकर, योगेश कुराहे, रोशनलाल दक्षेमाल, शिविका पालेवार (सरपंच, दहेगांव) सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल ग्राम जिवनारा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सरपंच नेहल तुमेश्वर गौतम, उपसरपंच उमेश डिब्बे, सचिव आशीष बाबू अगासे, सहायक सचिव संजय चौहान सहित समस्त पंचगण एवं ग्रामवासियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में सरपंच द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर हमला, दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

दिनेश रामटेक्कर। लांजी। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भानेगांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टेकरीटोला भानेगांव निवासी 21 वर्षीय प्रदीप उर्फ छोटू ठाकरे पिता अशोक ठाकरे मजदूरी का कार्य करता है। वह पूर्व में गांव के ही बालू ठाकरे के यहां आरओ पानी सप्लाई का काम करता था, जिसे उसने करीब एक वर्ष पूर्व छोड़ दिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चला आ रहा था।

पीड़ति के अनुसार 1 मई की रात वह अपने साथियों के साथ एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहा था कि रात करीब 1:30 बजे जब वे भानेगांव बस स्टैंड पहुंचे ही थे कि तभी वहां बालू ठाकरे और शुभम ठाकरे ने उसे रोक लिया। दोनों ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी, विरोध करने पर दोनों ने अचानक हमला कर दिया।

बताया गया कि बालू ठाकरे ने नुकीली वस्तु से प्रदीप के सिर, छाती, गर्दन और पीठ पर वार किया, जबकि शुभम ठाकरे ने लकड़ी के डंडे से उसके बाएं हाथ की कलाई पर वार किया। इस अचानक हमले में प्रदीप बुरी तरह से घायल हो गया। घटना के दौरान मौजूद उसके साथियों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद उनके साथियों ने घायल को उपचार हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती कराया गया, जहां मौजूद डॉक्टर द्वारा उसका उपचार किया गया। पुलिस ने पीड़ित के कथन और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी बालू ठाकरे और शुभम ठाकरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2), 118(1), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है एवं मामले की विवेचना की जा रही है।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव में 15 दिवसीय समर कैंप का हुआ शुभारंभ

दिनेश रामटेक्कर। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव (लांजी) में शनिवार 02 मई 2026 से 15 दिवसीय समर कैंप का भव्य शुभारंभ बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया।

समर कैंप के दौरान छात्र-छात्राएं आर्ट एंड क्राफ्ट, पोस्टर निर्माण, हस्तकला, भाषण कला, लेखन कला, वाचन कला, कहानी लेखन, निबंध लेखन, वाद-विवाद जैसी रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ शतरंज, केरम, बेडमिंटन, रोप स्किपिंग, वॉलीबॉल आदि खेलों और योगासन व प्राणायाम का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

समर कैंप का मुख्य लक्ष्य छात्र-छात्राओं में छिपी विविध प्रतिभाओं को उजागर करना और उनका उत्तरोत्तर विकास करना है, ताकि वे जीवन के विभिन्न संघर्षों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सकें। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, 卐विद्यालय में छात्र-छात्राओं का ध्यान पूरे वर्ष मुख्य रूप से अकादमिक विषयों पर केंद्रित रहता है। समर कैंप का उद्देश्य पढ़ाई के बोझ से उन्हें मुक्त रखते हुए अन्य कौशलों को विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। प्राचार्य गुरदे सर ने आगे कहा, विद्यालय का हर विद्यार्थी अपने आप में हनुमान है। जरूरत है उन्हें उनकी क्षमताओं और कौशलों से रूबरू कराने की। सांदीपनि विद्यालय परिवार जामवंत की तरह हर पल छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को पहचानने और निखारने का प्रयास करता रहता है। ऐसा कोई बच्चा नहीं है जिसमें कोई विशेष गुण न हो। हमें बस उस गुण को बाहर लाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी 15 दिनों में विद्यालय की टीम छात्र-छात्राओं के अंदर छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारेगी और समर कैंप के समापन तक सभी विद्यार्थी अपने-अपने कौशलों में निश्चित रूप से प्रगति करेंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर में जारी समर कैंप में उत्साहित नजर आए बच्चे

दिनेश रामटेक्कर। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में निशुल्क समर कैंप के दूसरे दिन का आयोजन उत्साहित रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती पल्लवी खरगाल राष्ट्रीय विकास समिति सदस्य लांजी, प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने, त्र्यंबक भगत वरिष्ठ आचार्य एवं श्रीमती आरती श्रीवास वरिष्ठ आचार्या मंचासीन थी। इन अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती मां भारती के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। वाणी वंदना तत्पश्चात अतिथियों का तिलक वंदन किया गया। श्रीमती पल्लवी दीदी ने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय निशुल्क समर कैंप लगाना यह विद्यालय की एक अच्छी पहल है, इससे भैया बहनों की अपनी प्रतिभा को निखारने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है,और बच्चों में शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। इसी कड़ी में वरिष्ठ आचार्य श्री भगत ने कहा कि आज हमारा निशुल्क समर कैंप का दूसरा दिन है और हम देख रहे हैं कि बच्चों में नई ऊर्जा एवं नई उमंग के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज की है, जिससे उनकी जिज्ञासा एवं आत्मविश्वास बढ़ा है। नई-नई चीज देखने व सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है। शिविर में वैदिक गणित के विषय में बच्चों को बतलाया गया और समझाया गया कि बच्चों को तेजी के साथ गणित के प्रश्नों को हल करके आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की जा सकती है। जिन्हें बच्चों ने बड़ी ही शालीनता के साथ समझा एवं सीखा। अंग्रेजी स्पोकन में आनंददायी तरीके से बच्चों ने सीखा एवं उनमें आत्मविश्वास जागृत हुआ।साथ ही वंदना योग नृत्य खेलकूद जैसी आनंददायी क्रियाकलापों में बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया अंत में वरिष्ठ आचार्य लेखराम ठाकरे ने आभार व्यक्त प्रकट करते हुए कहा कि इस शिविर से बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानने का अवसर प्राप्त होता है, उनमें अनुशासन के साथ ही शारीरिक बौद्धिक क्षमता का विकास होता है शिविर को सफल बनाने में समिति, आचार्य परिवार एवं बच्चों का भरपूर सहयोग रहा। इस शिविर में दूसरे दिन लगभग 112 बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पुराना थाना परिसर स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में हवन पूजन के साथ अखण्ड रामायण पाठ सम्पन्न

दिनेश रामटेक्कर। लांजी। क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगलकामना को लेकर पुराना थाना परिसर स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में 01 मई को दोपहर 1 बजे से विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया, जिसका कि 2 मई को हवन पूजन कर समापन किया गया। समापन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन एवं पूर्णाहुति दी। इसके पश्चात भव्य महा आरती का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु एक साथ प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की आराधना की। दीपों की रोशनी और जयकारों के बीच पूरा मंदिर परिसर दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। महाआरती के उपरांत सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी (भंडारा) की व्यवस्था की गई, जहां भक्तगण प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान जी की कृपा से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया । इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर में राम नाम की गूंज के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा। अखंड पाठ के उपरांत मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और सत्संग का भी आयोजन किया गया जिससे श्रद्धालु भक्तों में लीन होकर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन मंत्रिमंडल विस्तार की आहट...

जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर रहेगा जोर

भोपाल । मप्र में इस समय राजनीतिक नियुक्तियों का दौर चल रहा है। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल में विस्तार की आहट भी सुनाई देने लगी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पर हाल ही में हुई अहम बैठक के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। माना जा रहा है कि सरकार जल्द ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती है, जिसमें नए चेहरों को मौका मिलने के साथ कुछ मौजूदा मंत्रियों की विदाई भी संभव है। वर्तमान में मप्र मंत्रिमंडल में 31 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक सीमा के अनुसार 35 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में चार नए मंत्रियों को शामिल करने की संभावना है। हालांकि, केवल विस्तार ही नहीं बल्कि बड़े स्तर पर फेरबदल की भी चर्चा है, जिसमें कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है। भाजपा सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल में आगामी विधानसभा चुनाव को फोकस में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर रहेगा जोर दिया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, दो दिन पहले मुख्यमंत्री आवास पर समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हुए। इस बैठक में सरकार और संगठन के बीच समन्वय के साथ आगामी रणनीतियों पर चर्चा हुई। आमतौर पर बड़े राजनीतिक फैसलों से पहले इस तरह की बैठकों में सहमति बनाई जाती है। मुख्यमंत्री के हालिया दिल्ली दौरों को भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी हरी झंडी मिल चुकी है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस महीने मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह संभावित मंत्रिमंडल विस्तार सिर्फ प्रशासनिक जरूरत नहीं, बल्कि आगामी चुनावों की तैयारी का हिस्सा भी है। नाराज विधायकों को साधना, नए चेहरों को अवसर देना और क्षेत्रीय समीकरण मजबूत करना-इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह विस्तार महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार की घोषणा हो सकती है।

आधा दर्जन मंत्रियों की परफॉर्मेंस खराब

विस्तार से पहले क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों का अध्ययन किया जा रहा है। मोहन यादव सरकार अगले महीने अपना ढाई साल का सफर पूरा कर लेगी। मुख्यमंत्री के कुनबे में अभी दो उपमुख्यमंत्री मिलाकर तीस मंत्री हैं। इनमें 20 कैबिनेट, छह राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और चार राज्यमंत्री हैं। चारों राज्य मंत्री पहली बार ही चुनकर आए हैं। सूत्रों की माने तो सत्ता और संगठन ने अपने-अपने स्तर पर मंत्रियों के दो साल की रिपोर्ट तैयार करवाई है। इसमें करीब आधा दर्जन मंत्री ऐसे हैं जिनका परफॉर्मेन्स ठीक नहीं पाया गया है। इनके नामों पर फिर से विचार होना तय है। इसके अलावा एक मंत्री को उम्र के फेर में भी विश्राम दिए जाने की चर्चाएं हैं। गौरतलब है पिछली बार भाजपा ने 33 मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा था इनमें 12 मंत्री चुनाव हार गए थे पर चुनाव जीते आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों को इस चार मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला था। इनमें बुंदेलखंड के दिग्गज नेता माने जाने वाले गोपाल भार्गव का नाम भी शामिल था जो लगातार 2003 से भाजपा की हर सरकार में मंत्री और कमलनाथ की 15 महीने की सरकार में नेता प्रतिपक्ष रहे थे। इसके अलावा भूपेन्द्र सिंह को भी मंत्री नहीं बनाया गया था। उनकी गिनती केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह के बेहद निकट लोगों में होती है। इस महीने होने वाले संभावित विस्तार में इन नेताओं की वापसी की उम्मीद भी लगाई जा रही है।

दावेदारों की लंबी सूची

संगठन से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों की माने तो मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर संगठन नेताओं की चर्चा हो चुकी है और केन्द्रीय नेतृत्व से भी इस संबंध में राय मशविरा हो गया है। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो इस महीने विस्तार होना तय माना जा रहा है। विस्तार भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद किया जाएगा। परफॉर्मेन्स के आधार पर दो से तीन मंत्रियों की विदाई तय मानी जा रही है। विधायकों की संख्या के मान से सीएम अभी अपनी कैबिनेट में चार और नए लोगों को जगह दे सकते हैं। माना जा रहा है कुछ मंत्रियों को ड्राप करने के साथ करीब छह लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। विस्तार में मालवा, महाकौशल और बुंदेलखंड के नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस क्षेत्र से मंत्रियों का प्रतिनिधित्व अभी कम है। इसके साथ ही अगले चुनाव को ध्यान में रख जातीय संतुलन भी साधा जाएगा। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कई नाम सामने आ रहे हैं। रतलाम से चार बार के विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय का नाम प्रमुखता से चर्चा में है। इंदौर से मालिनी गौड़ को भी मजबूत दावेदार माना जा रहा है, जबकि मनोज पटेल का नाम भी सूची में है। इसके अलावा उषा ठाकुर, अर्चना चिटनीस, भूपेंद्र सिंह, गोपाल भार्गव, बृजेंद्र सिंह यादव और रीति पाठक जैसे नेताओं के नाम भी संभावित मंत्रियों की सूची में बताए जा रहे हैं। वहीं, कुछ वरिष्ठ मंत्रियों के इस्तीफे की भी चर्चा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विस्तार के साथ संतुलन साधने के लिए बदलाव अनिवार्य होगा।

मृतक पूर्व आईपीएस के फर्जी हस्ताक्षर कर सुरक्षा एजेंसी का लाइसेंस रिन्यू कराने का मामला

- एजेंसी संचालक, वकील गिरफ्तार, पुलिस ने लिया रिमांड पर

- फर्जीवाड़ा कर करोड़ों की सरकारी राशि हड़पी

- सुरक्षा गार्ड, माली और अन्य कर्मचारियों की सेवाएं देने के लिए ठेके लेकर 8 करोड़ वसूले

भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने मृतक आईपीएस एसके पांडे के फर्जी हस्ताक्षर कर सुरक्षा एजेंसी का लाइसेंस रिन्यू कराने के मामले में आरोपी वकील और एजेंसी संचालक राजकुमार पांडे को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पांच साल तक सरकारी विभागों में ठेके लेकर करोड़ों रुपये का भुगतान हासिल किया है। थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए तीन मई तक के रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजकुमार पांडे पेशे से वकील है, और क्लासिक सिक्योरिटी नाम से सुरक्षा एजेंसी संचालित करता है। उसने साल 2013 में पुलिस मुख्यालय से प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी रेगुलेशन एक्ट (पासरा) के तहत लाइसेंस प्राप्त किया था, जिसकी वैधता 2017 तक थी। लाइसेंस समाप्त होने के बाद आरोपी ने पुलिस मुख्यालय में पूर्व में पदस्थ रहे दिवंगत आईपीएस एसके पांडे के फर्जी हस्ताक्षर कर लाइसेंस का नवीनीकरण करवा लिया। इस फर्जी लाइसेंस के आधार पर आरोपी ने साल 2017 से 2022 के बीच संस्कृति विभाग के अंतर्गत आने वाले प्रदेशभर के विभिन्न कार्यालयों में सुरक्षा गार्ड, माली और अन्य कर्मचारियों की सेवाएं देने के ठेके हासिल किए। इस दौरान विभाग द्वारा उसकी एजेंसी को करीब आठ करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। फर्जीवाड़े तब सामने आया जब संस्कृति विभाग के अफसरों को दस्तावेजों में गड़बड़ी का संदेह हुआ और उन्होंने इसकी शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। गुरुवार देर रात पुलिस ने राजकुमार पांडे को नेहरू नगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियो के मुताबिक फर्जी दस्तावेज फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही इस बिंदु की भी छानबीन की जा रही है कि भुगतान प्रक्रिया में कौन-कौन अधिकारी शामिल थे। गौरतलब है, कि आरोपी के खिलाफ टीटी नगर, एमपी नगर, कमला नगर और हबीबगंज थानों में धोखाधड़ी, जालसाजी व आपराधिक षड्यंत्र समेत 10 मामले पहले से दर्ज हैं। रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ में कई चौकानें वाले खुलासे होने की संभावना है।

म.प्र. में इंजीनियरिंग कॉलेजों में साल में 2 बार एडमिशन

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अब वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था लागू की जा रही है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने यह निर्णय लिया है, जिसके तहत एडमिशन जुलाई और जनवरी सत्र में होंगे। इस नई व्यवस्था के लिए राजीव गाँधी प्राउद्योगिकी विश्वविद्यालया (आरजीपीवी) द्वारा गाइडलाइन तैयार की जा रही है। इसका उद्देश्य कॉलेजों में खाली सीटों को भरना और प्रवेश प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना है। जुलाई सत्र में अधिकांश सीटों पर प्रवेश होगा, जबकि खाली सीटें जनवरी सत्र में भरी जाएंगी। इससे छात्रों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा और कॉलेजों में सीटें खाली रहने की समस्या कम होगी।

व्यवसायिक सिलेंडरों के बाद घरेलू पीएनजी और सीएनजी भी हो गई महंगी

-खाद्य पदार्थों की कीमतों में 25 से 30 फीसदी तक बढ़ोतरी

-पेट्रोल-डीजल में भी वृद्धि की अटकलें जारी, घरेलू सिलेंडरों का संकट भी बरकरार

भोपाल। व्यवसायिक सिलेंडरों के 993 रुपए और महंगे हो जाने का हल्ला तो भोपाल सहित देशभर में मचा, जिसके चलते खाद्य पदार्थों के साथ-साथ उत्पादन की लागत भी बढ़ जाएगी। वहीं अवंतिका गैस ने घरेलू पीएनजी के साथ सीएनजी के दाम भी बढ़ा दिए। सीएनजी 1 रुपए प्रति किलो तथा पीएनजी भी 1 रुपए प्रति यूनिट महंगी कर दी गई। चूंकि औद्योगिक और व्यवसायिक पीएनजी के दाम पहले ही बढ़ चुके थे, लिहाजा इस बार इसमें बढ़ोतरी नहीं की गई। मगर पीएनजी कनेक्शन धारकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी, तो ऑटो सहित सीएनजी से चलने वाले वाहनों का खर्चा भी बढ़ जाएगा।

देशभर में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि पश्चिमी बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव निपटते ही पेट्रोल-डीजल के साथ सिलेंडरों की कीमतें बढ़ जाएगी। हालांकि अभी सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की है, मगर चूंकि क्रूड आइल अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 120 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। ऐसे में अनुमान था कि तेल कम्पनियों द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की जाएगी और घरेलू गैस सिलेंडर भी महंगे हो सकते हैं। मगर अभी कल कमर्शियल सिलेंडर एकाएक 993 रुपए महंगे कर दिए गए, जिससे होटल, रेस्टोरेंट से लेकर कारखानों में लगने वाले ये सिलेंडर और महंगे हो गए हैं। दूसरी तरफ केन्द्र सरकार ने यह भी तय किया कि जिन क्षेत्रों में घरेलू गैस की पीएनजी लाइन बिछी हुई है वहां पर 3 माह बाद सिलेंडरों की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यानी ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सिलेंडर की बजाय पीएनजी का ही इस्तेमाल करना होगा। वहीं अवंतिका गैस ने आधी रात से सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में भी बढ़ोतरी कर दी, जिसके चलते घरेलू पीएनजी 1 रुपए यूनिट और इसी तरह सीएनजी भी प्रति 1 रुपए किलो महंगी हो गई है।

मप्र में शासन व्यवस्था पूरी तरह विफल, केंद्र सरकार करे हस्तक्षेप - जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में लगातार हो रहे बड़े हादसों, सामूहिक मौतों, किसानों की बदहाली, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अब केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए।

पटवारी ने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें सामूहिक रूप से लोगों की जान जा रही है। यह केवल हादसे नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही से हो रही मौतें हैं। राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह शून्य हो चुकी है। उन्होंने कहा कि वे इस गंभीर स्थिति को लेकर महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को पत्र लिख रहे हैं, ताकि मध्य प्रदेश की विफल शासन व्यवस्था पर केंद्र सरकार संज्ञान ले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी तक सुरक्षित नहीं है, जहरीले पानी से लोगों की जान जा रही है। दवाइयों की लापरवाही से 26 बच्चों की मौत होना अत्यंत दुखद और शर्मनाक है। एनजीटी की आपत्तियों के बावजूद क्रूज संचालन किया गया, जिसकी लापरवाही से 9 लोगों की जान गई। बरगी डैम से जब शव निकाले जा रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री राजभवन में लोक नृत्य देखने में व्यस्त थे। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पटवारी ने कहा कि आदिवासी अंचलों में परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हादसों में लगातार आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही है। प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार और अत्याचार चरम पर है। अगर आज मध्य प्रदेश में सर्वे करा लिया जाए, तो 10 लोग भाजपा को चुनेंगे और 90 लोग कांग्रेस को।

अब भाजपा सरकार की प्रदेश से उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

किसानों के मुद्दे पर पटवारी ने कहा कि बारिश, ओलावृष्टि और पानी भराव से किसानों का अनाज खराब हो गया। प्रदेश में 245 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन हुआ, लेकिन किसानों को मजबूरी में कम दामों पर गेहूं बेचना पड़ा। सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने मांग की कि गेहूं और धान की भावांतर राशि किसानों को तत्काल दी जाए। उन्होंने घोषणा की कि किसानों के हित में 7 तारीख को बड़वानी से मुरैना तक नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्नदाता के पास पैसा होगा तभी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। भोपाल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर पटवारी ने कहा कि यह भाजपा का षड्यंत्र है। एक संस्था का परिसर बढ़ाने के लिए 70 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को हटाया जा रहा है। न्यायालय भी ऐसे मामलों में गरीबों के दर्द को समझे। गरीब परिवारों की बद्दुआ भाजपा सरकार को लगेगी।

निगम-मंडलों में नियुक्तियों पर उन्होंने कहा कि सरकार केवल बंदरबांट कर रही है। कर्ज लेकर सरकार चलाई जा रही है और भाजपा नेताओं को उपकृत किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में शासन पूरी तरह फेल हो चुका है।

सोमवार से निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश का दूसरा चरण

भोपाल । शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत इस शिक्षण सत्र में भी निजी स्कूलों में गरीब बच्चों का प्रवेश निःशुल्क कराया जा रहा है। पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण की प्रक्रिया 4 मई यानी सोमवार से शुरू होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने द्वितीय चरण की इस प्रक्रिया के लिए दिशा -निर्देश सभी जिला कलेक्टर और जिला परियोजना समन्वयक को जारी कर दिए हैं। पहले चरण के बाद बची सीटों पर यह प्रवेश प्रक्रिया होगी और इसके लिए कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। जिन अभिभावकों ने पहले चरण में आवेदन किए उन्हीं को इसमें शामिल किया जाएगा। दरअसल, 31 मार्च की बजाय शासन ने संशोधन उपरांत 30 मार्च को अवकाश घोषित कर दिया था, जिसके चलते कई बच्चों के दस्तावेज सत्यापित नहीं हो पाए।

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2026 को अवकाश निर्धारित होने तथा संशोधन उपरांत 30 मार्च 2026 को अवकाश घोषित किए जाने के कारण कुछ अभिभावक अपने बच्चों का दस्तावेज सत्यापन निर्धारित समय पर नहीं करा सके। ऐसे में बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सभी आवेदकों को एक और अवसर दिया गया है। जिन विद्यार्थियों ने इस सत्र में आवेदन किया है लेकिन सत्यापन नहीं करा पाए हैं, वे आवेदन के समय चयनित जनशिक्षा केंद्र पर जाकर सत्यापन करा सकते हैं। सत्यापन में पात्र पाये जाने पर संबंधित आवेदक द्वितीय चरण में स्कूलों की चॉइस अपडेट कर सकेंगे। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अंतर्गत सभी जनशिक्षा केंद्रों पर सत्यापन कार्य के लिए अधिकतम दो सत्यापन अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, प्रथमतः जनशिक्षकों को भी इस कार्य में लगाया जाएगा, जिससे निर्धारित समय-सीमा में आने वाले सभी आवेदकों का सत्यापन सुचारू रूप से किया जा सके। इसके अतिरिक्त, यदि किसी पालक को जनशिक्षा केंद्र पर सत्यापन कराने में किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो वे संबंधित विकासखंड स्त्रोत समन्वयक कार्यालय में जाकर भी अपने बच्चे का सत्यापन करा सकते हैं। ऐसे आवेदक, जिन्होंने प्रथम चरण में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ, वे द्वितीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन आवेदकों को प्रथम चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था, लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी द्वितीय चरण की प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के अनुसार विद्यालयों की चॉइस फिर से अपडेट कर सकेंगे।

संदीप जैन बने जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष

भोपाल। मप्र में राजनीतिक निवुक्तियों का सिलसिला तेज हो गया है। राज्य सरकार ने निगम-मंडलों, आयोगों और विकास प्राधिकरणों में एक दर्जन से अधिक अहम नियुक्तियों की घोषणा की है। इस क्रम में संदीप जैन को जबलपुर विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि वीरेंद्र गोयल को सिंगरौली विकास प्राधिकरण की कमान सौंपी गई है। लंबे समय से विभिन्न पदों पर नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे नेताओं को अब जिम्मेदारियां मिलनी शुरू हो गई हैं। इसके अलावा सरकार ने अन्य कई आयोग और बोर्ड में नियुक्तियां की है। इसमें कोशल शर्मा, संस्कृत संस्थान अध्यक्ष, संदीप जैन, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष, राघवेंद्र शर्मा, योग आयोग के अध्यक्ष, सौभाग्य सिंह पाठ्यपुस्ताक निगम, वीरेंद्र गोयल , सिंगरौली विकास प्राधिकरण अध्यक्ष, पंकज जोशी, खादी बोर्ड अध्यक्ष, राकेश जादौन उपाध्यक्ष, प्रभु दयाल कुशवाहा, कुश कल्याण बोर्ड अध्यक्ष और प्रवीण शर्मा, युवा आयोग अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश में अब तक करीब 29 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं, जबकि कई निगम-मंडल और प्राधिकरणों में नियुक्तियां अभी बाकी हैं। बताया जा रहा है कि दर्जनभर और नाम फाइनल हो चुके हैं और उनकी घोषणा जल्द की जा सकती है। वहीं, महिला और बाल आयोग को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। साथ ही इंदौर और भोपाल प्राधिकरण में भी नाम पर सहमति नहीं बन पाने के कारण मामला अटका हुआ है।

सत्येंद्र को लघु उद्योग निगम की कमान

वहीं सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर दो महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सत्येंद्र भूषण सिंह को मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड, भोपाल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्षों के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश में कहा गया है कि यह नियुक्ति निगम के मेमोरेंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के तहत की गई है। इस फैसले से निगम के प्रशासनिक और नीतिगत कार्यों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं, जनजातीय कार्य विभाग ने गुड्डी आदिवासी को राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी और आगामी आदेश तक लागू रहेगी।

सरकारी भर्ती में मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण

भोपाल। प्रदेश सरकार ने संविदा शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब स्कूल शिक्षा विभाग में काम कर रहे संविदा शिक्षकों को सरकारी भर्तियों में 50 प्रतिशतआरक्षण मिलेगा। सरकार ने इसके लिए सेवा नियमों में बदलाव किया है। नए नियम के अनुसार, जो संविदा कर्मचारी कम से कम एक वर्ष लगातार काम कर चुके हैं, वे नियमित भर्ती के समय इस आरक्षण का लाभ ले सकेंगे।

हालांकि, यह फायदा सिर्फ पहली नियमित नियुक्ति के समय ही मिलेगा। सरकार ने साफ किया है कि भर्ती प्रक्रिया पहले की तरह पारदर्शी और प्रतियोगी ही रहेगी। यानी चयन के नियमों में कोई ढील नहीं दी जाएगी। संविदा कर्मचारियों को उम्र में भी छूट मिलेगी। उनकी सेवा के वर्षों के आधार पर अधिकतम उम्र सीमा 55 साल तक रखी गई है, लेकिन यह लाभ तभी मिलेगा जब वे उसी विभाग में आवेदन करेंगे, दूसरे विभाग में नहीं। इसके अलावा एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के लिए पहले से लागू आरक्षण नियम पहले की तरह जारी रहेंगे। जरूरत पड़ने पर बैकलॉग पदों को नियम के अनुसार डी-रिजर्व भी किया जा सकता है। संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा कि वे कई वर्षों से 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे थे। अब सरकार के इस फैसले से उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है।

पटवारी को लेकर दिग्विजय बोले...

एआईसीसी में आपकी जो पकड़ है वो हमारी नहीं आप वेणुगोपाल के सबसे प्रिय

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने जीतू पटवारी की एआईसीसी में पकड़ को लेकर बात कही है। राजधानी में कांग्रेस के मंच से दिग्विजय सिंह ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर जो कहा उसके राजनीतिक गहलयारों में कई मायने निकालके जा रहे है । जहां विपक्षी दल इसें आपसी खींचतान बता रहा है वही कांग्रेस इसें अच्छे माहौल की सार्थक चर्चा बता रहे हैं।

दरअसल, शुक्रवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक हुई थी। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा कि जीतू पटवारी इस समय ऐसे प्रदेश अध्यक्ष हैं जिनकी एआईसीसी में सबसे ज्यादा पकड़ है। वह वेणुगोपाल से जो चाहे लिखवा सकते हैं।

यह कहा दिग्विजय सिंह ने

दिग्विजय सिंह ने मंच से कहा कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की एआईसीसी में बहुत पकड़ है। उन्होंने कहा कि केसी वेणुगोपाल से आप कुछ भी लिखवाकर ला सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जितने फ्री जीतू पटवारी केंद्रीय नेतृत्व के साथ हैं, उतना कोई और प्रदेश अध्यक्ष नहीं है। दिग्विजय की यह बात सुनकर जीतू ने कहा कि चेला तो आपका हूं।

दिग्विजय ने किया पलटवार

जीतू पटवारी के मैं आपका ही चेला हूं कहते ही दिग्विजय सिंह हंसने लगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि - गुरु रह गया गुड़ और चेला बन गया शक्कर।' यह बात सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगें।

करोड़ों मोबाइल पर सायरन के साथ एकसाथ आया अलर्ट मैसेज

-देशभर में सरकार ने एकसाथ की इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग

भोपाल । देशभर में शनिवार सुबह 11ः45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे कई लोग परेशान हुए, तो कई कन्फ्यूज। हालांकि सरकार ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी एनडीएमए ने भेजा था, जो इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल का हिस्सा है। एनडीएमए ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को इस सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया।

शनिवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और दिल्ली-एनसीआर में सभी मोबाइल फोन पर एकसाथ टेस्टिंग मैसेज भेजा गया। यह मैसेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया। इस मैसेज में लोगों को बताया गया कि यह केवल परीक्षण है और इस पर कोई एक्शन लेने की जरूरत नहीं है। सरकार ने दो दिन पहले ही मैसेज भेजकर लोगों से अपील की थी कि टेस्टिंग वाला मैसेज मिलने पर घबराएं नहीं। शनिवार का मैसेज केवल इमरजेंसी के हालात में चेतावनी देने वाले सिस्टम की जांच के लिए भेजा गया था।

देश में ही विकसित किया गया है एसएसीएचईटी सिस्टम

इमरजेंसी की स्थिति में लोगों को रियल टाइम अलर्ट देने के लिए सरकारी संस्था सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स ने इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम एसएसीएचईटी को विकसित किया है। सचेत नाम का यह सिस्टम कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव कर दिया गया है। एनडीएमए ने मोबाइल एसएमएस को सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक से जोड़ा है। इससे चुने गए इलाके में एक्टिव सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट मिलेगा। इससे इमरजेंसी के समय रियल टाइम सूचना पहुंच सकेगी।

अब तक 134 अरब से ज्यादा अलर्ट भेजे जा चुके

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सिस्टम के जरिए अलग-अलग प्राकृतिक आपदाओं जैसे मौसम में बदलाव और चक्रवात के अलर्ट दिए जा चुके हैं। अब तक 19 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में 134 अरब से ज्यादा एसएमएस अलर्ट भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम का इस्तेमाल हर इमरजेंसी सिचुएशन में लोगों को तुरंत चेतावनी देने के लिए किया जा सकता है।

पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक काँटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं। आज चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला एक बार फिर मुंबई इंडियंस के खिलाफ है, और इस महत्वपूर्ण मैच में संजू सैमसन की नज़रें एक बार फिर बल्ले से धमाल मचाकर आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 बल्लेबाज़ों में अपनी जगह बनाने पर होगी। फिलहाल सैमसन 304 रनों के साथ 13वें स्थान पर हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रनों के साथ ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले पायदान पर हैं। अगर संजू सैमसन को आज केएल राहुल से ऑरेंज कैप छीनकर नंबर-1 बनना है, तो उन्हें कम से कम 130 रन की एक ऐतिहासिक पारी खेलनी होगी।

दिल्ली कैपिटल्स को मिली जीत पर मिचेल स्टार्क खुशी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने चोट के बाद आईपीएल 2026 में धमाकेदार वापसी करते हुए अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस सीजन के शुरुआती आठ मैच न खेल पाने के बाद, स्टार्क ने अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 40 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनकी प्रभावी गेंदबाजी ने दिल्ली को राजस्थान द्वारा दिए गए 226 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने में मदद की, जिससे टीम ने 19.1 ओवर में महज तीन विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद, स्टार्क ने आईपीएल द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, जीत के साथ शुरुआत करना हमेशा अच्छा होता है। टीम में वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मैं पिछले एक सप्ताह से टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहा था, जो एक बेहतरीन अनुभव रहा। अपनी वापसी के बारे में बताते हुए, स्टार्क ने इस बात पर जोर दिया कि लगभग तीन महीने के अंतराल के बाद यह पहली बार था जब उन्होंने किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी की।

आईपीएल में गेंदबाजों का काल : सबसे महंगे स्पैल का काला अध्याय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का रोमांच अपने चरम पर है, जहां हर मैच में नए रिकॉर्ड बन और टूट रहे हैं। इस टूर्नामेंट में अब बल्लेबाजों का एकतरफा राज होता जा रहा है। अगर कोई टीम 200 रन भी बना लेती है, तो अब उसे सुरक्षित नहीं माना जाता। ऐसा नहीं है कि इस टूर्नामेंट में अच्छी गेंदबाजी नहीं होती या गुणवत्ता वाले गेंदबाज नहीं हैं, बल्कि इसके पीछे का एक बड़ा कारण यह है कि आईपीएल में अधिकतर पिचें बल्लेबाजों के लिए मददगार बनाई जाती हैं, जिससे रनों की बरसात होती है। यही वजह है कि मैचों में गेंदबाजों को खूब रन पड़ते हैं और कई बार उनकी आंखें भर आती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आईपीएल इतिहास के उन पांच सबसे महंगे स्पैल के बारे में, जब बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं किया।

इस सूची में सबसे पहला नाम इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का आता है, जिन्होंने आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा स्पैल फेंका है। आईपीएल 2025 में, मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आर्चर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने चार ओवर के स्पैल में 76 रन पड़े थे और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। यह मैच गेंदबाजों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था, क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद ने उस मैच में 20 ओवर में रिकॉर्ड 286 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। आर्चर जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज के लिए यह एक कड़वा अनुभव था।

आईपीएल में सबसे महंगे स्पैल डालने के मामले में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी दूसरे नंबर पर हैं। शमी ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने चार ओवर में 75 रन खर्च कर डाले थे। हैरानी की बात यह है कि इतने रन लुटाने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिल पाया था। शमी जैसे अनुभवी और कुशल गेंदबाज का इतनी बेरहमी से पिटना यह दर्शाता है कि आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा कितना बढ़ गया है। इस लिस्ट में तीसरा नाम न्यूजीलैंड के विलियम ओरूर्के का है। विलियम को भी आईपीएल 2025 में ही जमकर मार पड़ी थी। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले विलियम ओरूर्के ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक मुकाबले में अपने चार ओवर में 74 रन लुटाए थे। हालांकि, उनके लिए अच्छी बात यह रही कि रनों का अंबार लगाने के साथ उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट भी अपने नाम किए, जो इस बात का हल्का सा दिलासा था कि उनका स्पैल पूरी तरह व्यर्थ नहीं गया।

आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस के लिए खेलने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने भी एक मैच में 70 से ज्यादा रन लुटाए थे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मोहित शर्मा ने अपने चार ओवर के स्पैल में 73 रन खर्च कर डाले और वह अपनी टीम गुजरात के लिए एक भी विकेट नहीं निकाल पाए। मोहित शर्मा, जो अपनी कटर और स्लोअर गेंदों के लिए जाने जाते हैं, उनका इस तरह पिटना बताता है कि आईपीएल में अब हर गेंदबाज को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है।

रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की मैदान पर दोस्ताना बल्लेबाज़ी

नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में अक्सर अपनी-अपनी टीमों की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, और ऐसे में वे अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती-मज़ाक करने का मौका तलाशते रहते हैं। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब रवींद्र जडेजा ने कुलदीप यादव के सामने अपना बल्ला चलाकर उनको डरा दिया, हालांकि यह महज़ एक दोस्ताना मज़ाक था जिसने मैदान पर एक हल्का-फुल्का माहौल बना दिया। यह घटना तब हुई जब दिल्ली के खिलाफ जडेजा मैदान में आए। अंपायरों ने उनके बल्ले की जांच की, जो आईपीएल के हर मैच से पहले की एक सामान्य प्रक्रिया है। बल्ले की जांच से पहले, जडेजा ने कुलदीप यादव की तरफ़ इशारा करते हुए तेज़ी से बल्ला चलाया, इसे देखकर ऐसा लगा मानो गेंदबाज़ बाल-बाल बचे हों। हालांकि, वीडियो क्लिप देखने से यह स्पष्ट था कि जडेजा और कुलदीप के बल्ले के बीच काफ़ी दूरी थी और यह केवल एक शरारती इशारा था।

इस घटना के तुरंत बाद, कुलदीप यादव ने मुस्कुराते हुए जडेजा के पास जाकर उनको हल्का धक्का दिया और दोनों खिलाड़ियों को आपस में बातें करते और मुस्कुराते हुए देखा गया। इसने मैदान पर एक खुशनुमा माहौल बना दिया, और अधिकारियों के अपने काम में व्यस्त रहने के बावजूद, कुछ देर के लिए सभी का ध्यान इन दोनों खिलाड़ियों की दोस्ताना बातचीत पर चला गया। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि आईपीएल में अलग-अलग टीमों की ओर से खेलने के बावजूद खिलाड़ियों के बीच मज़बूत रिश्ते और गहरी दोस्ती बनी रहती है। दोनों की बातचीत से यह भी साफ़ हुआ कि वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, चाहे वे एक-दूसरे के खिलाफ ही क्यों न खेल रहे हों। फैंस के लिए यह एक और याद दिलाने वाला पल था कि क्रिकेट सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा और नतीजों का खेल नहीं है, बल्कि दोस्ती और खेल भावना भी इसे ख़ास बनाती है।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार : आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस खास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो। इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग

विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं। चोट के चलते इस सीज़न ज्यादा मैच नहीं खेल पाने के कारण, हिटमैन के नाम बतौर ओपनर 148 छक्के दर्ज हैं, जिससे वे भारतीय ओपनर्स की इस सूची में तीसरे पायदान पर हैं।

मियामी ग्रैंड प्रिक्स : लैंडो नॉरिस ने स्प्रिंट रेस के लिए पोल पोजीशन पर कब्जा जमाया

नई दिल्ली। फॉर्मूला 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप के मियामी ग्रैंड प्रिक्स वीकेंड की शुरुआत बेहद रोमांचक रही, जहां मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्प्रिंट रेस के लिए पोल पोजीशन अपने नाम कर ली। नॉरिस ने हार्ड रॉक स्टेडियम सर्किट पर एक बेहतरीन लैप लगाकर मर्सिडीज के युवा और इन-फॉर्म ड्राइवर किमी एंटोनेली को पीछे छोड़ते हुए अपनी टीम को अहम बढ़त दिलाई। उनका 1:27.869 का तेज लैप टाइम पूरे सेशन में सबसे बेहतर साबित हुआ, जिसने उनकी कार पर जबरदस्त पकड़ और ट्रैक की गहरी समझ को दर्शाया।

नॉरिस ने एंटोनेली को 0.222 सेकंड के प्रभावशाली अंतर से पछाड़कर पोल पोजीशन हासिल की, जिससे मैकलारेन टीम के बीच खुशी का माहौल छा गया। इस उपलब्धि के बाद नॉरिस काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने जीत का श्रेय टीम के इंजीनियरों और मैकेनिकों की कड़ी मेहनत को दिया और कहा कि कार में किए गए नए बदलावों का सकारात्मक असर दिखा है। नॉरिस ने बताया कि बेहतर ग्रिप मिलने से उन्हें ट्रैक पर बेहद आत्मविश्वास महसूस हुआ, जिसने उन्हें अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद की। क्वालिफाइंग में एंटोनेली दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मैकलारेन के ही ऑस्कर पियास्ट्री तीसरे स्थान पर क्वालिफाई करने में सफल रहे, जिसने टीम की मजबूत फॉर्म का संकेत दिया। फेरारी के चार्ल्स लेक्लर्क चौथे स्थान पर रहे, जो रविवार को होने वाली मुख्य रेस से पहले शनिवार की 100 किलोमीटर की स्प्रिंट रेस के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआती स्थिति है। नॉरिस ने इस ट्रैक के प्रति अपना लगाव जताते हुए कहा कि उन्हें मियामी ट्रैक के साथ-साथ यहां का जीवंत माहौल भी बेहद पसंद है, लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि वीकेंड अभी लंबा है और असली चुनौती अभी बाकी है। चार बार के वर्ल्ड चैंपियन रेड बुल के मैक्स वर्स्टापेन इस बार पांचवें स्थान पर रहे, जो उनके लिए थोड़ा निराशाजनक प्रदर्शन रहा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल छठे स्थान पर रहे। रसेल ने मैकलारेन और फेरारी की अप्रत्याशित तेजी पर हैरानी जताई और माना कि दोनों टीमों ने जबरदस्त सुधार किया है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail - modgmmad@mp.gov.in

क्रमांक/389/खनिज/2026 बालाघाट दिनांक 24/04/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक विदर्भ स्टोन क्रेशर पता-एच.एन. 292 कटंगीकलां गोंदिया (महाराष्ट्र) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 16.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	वारासिवनी	डोंगरगांव	339	2.235 हे.	शासकीय (सरकार चट्टान)	गिट्टी, बोल्डर, मुरूम	-
			कुल रकबा	2.235 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी-12304/26

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क । डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की।

क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। एंडर्स एंटोनसेन ने तीन गेम के मुकाबले में कुनलावुत विटिडसार्न को हराया, जिसके बाद किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन ने डबल्स में दूसरा पॉइंट जोड़ा। थाईलैंड ने पैनिचाफोन तीरात्साकुल के जरिए थोड़ी देर के लिए वापसी की कोशिश की, जिन्होंने मैग्नस जोहानसेन को हराया, लेकिन डेनमार्क की मैथियास क्रिस्टियनसेन और डेनियल लुंडगार्ड की जोड़ी ने सीधे गेम में टाई पक्का कर दिया। चीन के भी आगे बढ़ने के साथ, सेमीफाइनल में अब पारंपरिक पावरहाउस और उभरते हुए दावेदारों का एक जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा।

कलेक्टर ने खैरलांजी में ली खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 02 मई को खैरलांजी में सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारी कर्मचारी शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें और जनता के कल्याण के लिए जिम्मेदारी से काम करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डी पी बर्मन, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल एवं सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा की गई। इसमें ब्लाक में सबसे नीचे पायदान पर रहने वाली लीलामा, किन्ही और साकड़ी की सीएचओ से वन-टू-वन चर्चा की गई और गर्भवती माताओं का एएनसी पंजीयन बढ़ाने और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख सुरक्षित प्रसव का प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए।

घर बैठे अलग-अलग लोकेशन से एप्प में भरी जा रही थी हाजरी

सीएचओ और एएनएम की सार्थक एप्प के माध्यम से एक माह की उपस्थिति की समीक्षा में पाया गया कि सीएचओ ग्राम बेनी की वंदना लिल्हारे, कटोरी की वर्षा उइके, घोटी की वंदना बलहारे, सालेबर्डी की मोनिका पंचेश्वर, चिखला की वंदना सुलाखे, एएनएम लीलामा की चेतना रामटेके, कांति धुर्वे, साकड़ी की शालू बोहने, अंजना भगत, किनही की गीता भगत, अलका भजनकर, कोथुरना की कृष्णा हिरकने, चिखला की अनमोल रोडगे, कौशल भोयर व सिवनघाट की मोनिका विश्वकर्मा द्वारा अपने मुख्यालय की लोकेशन से हाजरी नहीं लगाई जा रही है। कुछ ने कोथुरना, नेवरगांव, वारासिवनी एवं हबीबगंज भोपाल से अपनी हाजरी लगाई है। इससे समझ आया कि इन सीएचओ और एएनएम द्वारा अपने कार्य में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है और अपने कार्य क्षेत्र में भी उपस्थित नहीं हो रही हैं। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और इन सभी का वेतन रोकने के निर्देश दिए और कहा कि जब ये अपने फिल्ड पर सक्रिय हो जाएं तभी इनका वेतन निकाला जाए। इन सभी सीएचओ और एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनकी सेवा समाप्ति की कार्यवाई करने कहा गया। खैरलांजी बीएमओ को निर्देशित किया गया कि वे सार्थक एप्प से कर्मचारियों की उपस्थिति पर निगरानी रखें।

बैठक में कुपोषण से ग्रसित बच्चों के चिन्हांकन की समीक्षा में पाया गया कि भौरगढ़ एवं खैरलांजी सेक्टर में बच्चों का चिन्हांकन नहीं हो रहा है और पोषण ट्रेकर एप्प में इंट्री नहीं की जा रही है। आंगनबाड़ी पर्यवेक्षकों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण नहीं किया जा रहा है। आंगनबाड़ी के बच्चों की स्कूल पूर्व शिक्षा की प्रगति भी संतोषजनक नहीं पायी गई। कलेक्टर श्री मीना ने कम प्रगति वाले बाटम के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ता को इसमें प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने खैरलांजी क्षेत्र के 28 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्रदाय की गई एलईडी टीवी का उपयोग करने और उसमें बच्चों को ज्ञानवर्धक वीडियो दिखाने के निर्देश दिए।

06 पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

राजस्व विभाग की फार्मर रजिस्ट्री, सीमांकन, नामांतरण, नक्शा तरमीम, राजस्व वसूली की समीक्षा में पाया गया कि पटवारी उमेश सैयाम, राजेन्द्र क्षीरसागर, विशाल चौकसे, गोपाल सनोडिया, जय गुप्ता, मीनल उइके एवं सुशील दुबे का कार्य संतोषजनक नहीं है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने इन पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और तीन दिन के भीतर अपर कलेक्टर श्री बर्मन के समक्ष जवाब प्रस्तुत करने तथा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कक्षा 03 के बच्चों का गिनती का ज्ञान कमजोर, 06 शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश

बैठक में शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान शालाओं में बच्चों के पंजीयन और एफएलएन सर्वे पर चर्चा की गई। इस दौरान पाया गया कि खैरलांजी, कटोरी एवं मिरगपुर जन शिक्षा केंद्र में कक्षा तीसरी के बच्चों का संख्या ज्ञान और हिंदी भाषा बहुत कमजोर है और शिक्षकों द्वारा बच्चों को इसमें निपुण नहीं बनाया गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जन शिक्षा केंद्र खैरलांजी के शिक्षक भारतलाल लिल्हारे, दिलीप बारेवार, कटोरी के शिक्षक चंद्रकांत वरकड़े, नीतिन बोरकर, मिरगपुर के शिक्षक जागेश्वर हरिनखेड़े व राजेश कुमार भलावी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और सबसे कमजोर प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार शिक्षक को निलंबित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने सभी शालाओं में अगले दो दिनों के भीतर बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन करने तथा निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, गणवेश वितरण एवं साइकिल वितरण का कार्य पूर्ण कर पोर्टल पर इसकी एंट्री करने के निर्देश दिए।

योजनाओं में शून्य प्रगति पर 04 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

कृषि विभाग की गतिविधियों एवं कार्यों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तरुणा उके, सत्याशीला मेश्राम, संघर्ष लांजेवर एवं पूर्णिमा राउत द्वारा उन्नत कृषि यंत्र वितरण के साथ ही अन्य सभी योजनाओं में कोई काम नहीं किया गया है और उनकी प्रगति शून्य है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी जाहिर की और इन चारों ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने तथा फिल्ड के सभी कर्मचारियों की सार्थक एप्प से हाज़री लगाने तथा उसी आधार पर वेतन भुगतान के निर्देश दिए।

भजियादंड के सचिव पर निलंबन की कार्रवाई के निर्देश

बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के शत प्रतिशत सेचुरेशन की समीक्षा में पाया गया कि ग्राम पंचायत पिंडकपार, अमई, छतेरा एवं भजियादंड में वहां के सचिव द्वारा संतोषजनक काम नहीं किया गया है। इस पर भजियादंड के सचिव पर निलंबन की कार्रवाई करने और सभी सचिवों को एक सप्ताह में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में श्रम अधिकारी को संबल योजना के हितग्राहियों के अनुग्रह और अंत्येष्टि सहायता के लंबित आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। मत्स्य विभाग के अधिकारी को खैरलांजी क्षेत्र के सभी शासकीय तालाबों में मछली पालन सुनिश्चित करने और इसके लिए स्थानीय मछुआ समिति को तालाब आबंटन की कार्रवाई करने कहा गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया गया कि पेयजल समस्या के निदान के लिए आवश्यक होने प्रायवेट बोरवेल का अधिग्रहण करें।

देवी तालाब की बदहाली पर विधायक अनुभा मुंजारे सख्त, बोलीं अब नहीं हुआ काम तो खुद करेंगे सफाई

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 2 मई को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने नगर पालिका अमले के साथ देवी तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तालाब के संरक्षण, संवर्धन और अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। विधायक ने कहा कि प्रशासन स्वयं तालाब से अतिक्रमण हटाने और साफ-सफाई की बात करता है, लेकिन नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों को दिए गए निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो वे सोमवार को अपने समर्थकों के साथ देवी तालाब में श्रमदान कर स्वयं साफ-सफाई अभियान शुरू करेंगे। साथ ही उन्होंने जिला कलेक्टर पर भी निर्देशों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज का भी जायजा लिया। यहां उन्होंने जलनिकासी व्यवस्था, निर्माण कार्य में हो रही देरी और मुआवजा संबंधी समस्याओं को लेकर वार्डवासियों से चर्चा की और जल्द समाधान की आवश्यकता बताई।

शहर के देवी तालाब की बिगड़ती हालत और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर शनिवार को राजनीतिक तापमान बढ़ गया। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे अपने समर्थकों के साथ देवी तालाब पहुंचीं और मौके पर हालात का जायजा लेते हुए नगर पालिका व राजस्व अमले को कड़े शब्दों में फटकार लगाई। विधायक ने साफ तौर पर कहा कि एनजीटी द्वारा जिला प्रशासन को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं कि तालाब का संरक्षण, संवर्धन, अतिक्रमण हटाने और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रशासन अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए मकान और निर्माण को रातों-रात हटाने में सक्षम है, तो फिर शहर के प्रमुख जलस्रोत देवी तालाब के मामले में ढिलाई क्यों बरती जा रही है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर लापरवाही और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति बताया। विधायक ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि प्रशासन शीघ्र ही सफाई और संरक्षण कार्य शुरू नहीं करता, तो वे स्वयं अपने समर्थकों के साथ मैदान में उतरकर तालाब की सफाई करेंगी। उन्होंने सोमवार को जनसहभागिता से सफाई अभियान चलाने की भी घोषणा की। स्थानीय नागरिकों ने भी विधायक को अपनी समस्याएं बताते हुए कहा कि तालाब में लगातार गंदगी बढ़ रही है, जिससे बदबू फैलती है और आसपास के रहवासियों का रहना मुश्किल हो गया है। लोगों ने अतिक्रमण हटाने और नियमित सफाई की मांग दोहराई।

ओवरब्रिज निर्माण में लापरवाही पर भी जताई नाराजगी

देवी तालाब के निरीक्षण के बाद विधायक अनुभा मुंजारे भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज स्थल पहुंचीं, जहां उन्होंने निर्माण कार्य में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर कड़ा रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि निर्माण एजेंसी द्वारा पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे आसपास के घरों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो रही है। साथ ही सड़क खोदकर छोड़ देने से यातायात बाधित है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। विधायक ने कहा कि इतने बड़े प्रोजेक्ट से पहले वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करना जरूरी था, लेकिन बिना योजना के काम शुरू कर दिया गया। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी उठाया कि जिन लोगों की जमीन और मकान अधिग्रहित किए गए हैं, उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है, जिससे प्रभावित परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं। विधायक ने प्रशासन और निर्माण एजेंसी को चेताते हुए कहा कि यदि जल्द व्यवस्थाएं नहीं सुधारी गईं, तो वे जनहित में सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगी।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, फिर मिलेगा महंगाई भत्ते का एरियर

सरकार ने 2026 की पहली छमाही के लिए 2 फीसदी डीए बढ़ाने को दी थी मंजूरी

नई दिल्ली,। केंद्रीय कर्मचारियों को साल की दूसरी छमाही में एक बार फिर से महंगाई भत्ता का एरियर मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 60 फीसदी है। बीते अप्रैल महीने में केंद्र सरकार की कैबिनेट ने साल 2026 की पहली छमाही के लिए 2 फीसदी डीए बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। यह बढ़ोतरी एक जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक के लिए की गई है। इसका मतलब है कि केंद्रीय कर्मचारियों को जनवरी महीने से ही 60 फीसदी डीए मिलेगा। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी में जनवरी, फरवरी, मार्च का डीए एरियर शामिल होगा। बता दें सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर डीए बढ़ाया जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साल की दूसरी छमाही का डीए एरियर सितंबर-अक्टूबर 2026 तक मिलने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जुलाई 2026 में होने वाली डीए बढ़ोतरी के बकाया का भुगतान सितंबर या अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। बता दें सरकार हर साल नवरात्रि के आसपास यानी सितंबर या अक्टूबर में डीए पर फैसला लेती है। डीए में जो बढ़ोतरी की जाती है वह एक जुलाई से प्रभावी होती है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों का डीए एरियर जुलाई, अगस्त और सितंबर तक का मिलता है। बता दें इस बार डीए में 3 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है तो डीए बढ़कर 63 फीसदी हो जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को जितना इंतजार डीए का है उससे कहीं ज्यादा आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का है। ऐसा अनुमान है कि वेतन आयोग साल 2027 की पहली छमाही में अपनी सिफारिशें सरकार को सौंप सकता है। सरकार की ओर से वेतन आयोग को 18 महीने का समय मिला है। इस अवधि में वेतन आयोग केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी, भत्ते के अलावा अन्य फैसलिटीज और पेंशनर्स की सुविधाओं की सिफारिश करेगा।

आधिकारिक सूचनाओं के मुताबिक वेतन आयोग 18 और 19 मई को हैदराबाद का दौरा करेगा। वहीं, आयोग ने 1 जून से 4 जून तक श्रीनगर के अपने दौरे की पुष्टि की है। इसके अतिरिक्त, आयोग 8 जून को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के लेह का दौरा करेगा। अधिकारियों ने हितधारकों से आग्रह किया है कि वे परामर्श प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, ज्ञापन जमा करने की समय-सीमा और प्रक्रिया संबंधी आवश्यकताओं का कड़ाई से पालन करें।

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

3 साल का कार्यकाल होगा, टी-रबी शंकर की जगह लेंगे

नई दिल्ली। अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति 3 साल के लिए होगी, जो 3 मई या उसके बाद से प्रभावी मानी जाएगी। जैन वर्तमान डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है।

रोहित जैन इससे पहले दिसंबर 2020 से आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कार्यकारी निदेशक के तौर पर जैन ने सुपरविजन विभाग (रिस्क, एनालिटिक्स और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट) की जिम्मेदारी संभाली है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने डिप्टी गवर्नर पद के लिए चार कार्यकारी निदेशकों का इंटरव्यू लिया था, जिसमें से जैन के नाम पर मुहर लगी है। जैन के पास रिजर्व बैंक में करीब तीन दशकों का लंबा अनुभव है। उन्होंने अपने करियर के दौरान सुपरविजन, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट और बैंकिंग समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया है।

सिक्किम बना पहली पेपरलेस न्यायपालिका राज्य

गंगटोक। सिक्किम को देश का पहला 'पेपरलेस न्यायपालिका' राज्य घोषित किया है। यह ऐतिहासिक कदम तेज, पारदर्शी और तकनीक-आधारित न्याय प्रणाली के लिए उठाया गया है, जहां न्यायिक कार्यवाही में कागज का उपयोग न के बराबर होगा। सीजेआई सूर्यकांत ने राजधानी गंगटोक में आयोजित एक सम्मेलन में इसकी आधिकारिक घोषणा की। सीजेआई ने कहा कि पहले, मुकदमेबाजों के लिए दूरी किलोमीटर में नहीं, बल्कि यात्रा के दिनों, दुर्गम भूभाग और अनिश्चितता में मापी जाती थी। आज, यह वास्तविकता न केवल बुनियादी ढांचे के कारण बदल रही है, बल्कि प्रौद्योगिकी के कारण भी पहुंच का स्वरूप बदल रहा है। डिजिटल राजमार्ग अब नागरिकों को विभिन्न न्यायिक मंचों से सीधे जोड़ता है। हम कागजी कार्यवाही के युग से आगे बढ़ चुके हैं। प्रौद्योगिकी और न्यायिक शिक्षा विषय पर केंद्रित यह सम्मेलन सिक्किम उच्च न्यायालय और सिक्किम न्यायिक अकादमी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में न्यायाधीशों, कानूनी विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को भारतीय न्यायपालिका के डिजिटल परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया और यह कार्यक्रम आज यानी शनिवार को भी जारी रहेगा।

बंगाल चुनाव में बड़ा फैसला : फालता सीट की पूरी वोटिंग रद्द, 21 मई को फिर होगा मतदान

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की फालता सीट पर हुए मतदान को रद्द कर दिया है। आयोग ने विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 पोलिंग बूथों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया है। इस सीट पर 29 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी, हिंसा और धांधली की शिकायतें सामने आई थीं। पुनर्मतदान के बाद मतगणना 24 मई को कराई जाएगी।

फालता विधानसभा क्षेत्र के एक बूथ पर भाजपा के चुनाव चिन्ह के सामने ईवीएम पर टेप लगाए जाने का मामला भी सामने आया था, जिसके बाद विवाद और गहरा गया। चुनाव आयोग ने शिकायतों को गंभीर मानते हुए पूरे क्षेत्र में पुनर्मतदान का फैसला लिया।

इससे पहले शनिवार को मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के 4 बूथों पर भी दोबारा मतदान कराया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक इन 15 बूथों पर करीब 90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

दक्षिण 24 परगना जिले में मतदान के दौरान टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच कई जगह झड़पें हुईं। फालता में कुछ मतदाताओं ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट की। विरोध करने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोगों को सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं।

वहीं टीएमसी ने भी सुरक्षाबलों पर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने उनके कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की।

मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए काउंटिंग एजेंट्स को संबोधित करते हुए दावा किया कि टीएमसी राज्य में 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

लद्दाख पहुंचे अमित शाह, वांगचुक समेत प्रमुख नेताओं से की मुलाकात

गृहमंत्री बोले- सब कुछ ठीक हो जाएगा, 22 मई को उप-समिति की बैठक

लेह,। पर्यावरणविद् और लेह एपेक्स बॉडी के सदस्य सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात लेह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की उनके साथ लद्दाख के कई अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद थे। यह मुलाकात मुख्य रूप से भगवान बुद्ध और आध्यात्मिकता पर केंद्रित रही। केंद्रीय गृह मंत्री शाह भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेने लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने लद्दाख के नेताओं के साथ बैठक की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत में अमित शाह ने नेताओं से भगवान बुद्ध में विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के पूर्व मुख्य कार्यकारी ग्यालसन भी इस बैठक में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यह बैठक गृह मंत्री की ओर से बुलाई गई थी। शाह ने स्पष्ट किया कि उनकी यह यात्रा पूरी तरह से आध्यात्मिक है और वे यहां भगवान बुद्ध के अवशेषों के दर्शन करने आए हैं।

शाह ने लद्दाख के नेताओं को सूचित किया कि लद्दाख से जुड़े मुख्य मुद्दों पर 22 मई को गृह मंत्रालय की एक उप-समिति की बैठक में चर्चा की जाएगी। ग्यालसन के मुताबिक शाह ने नेताओं से कहा कि वे 22 मई की बैठक में खुले दिमाग से आएं और बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यदि इस उप-समिति की बैठक में कोई आम सहमति बनती है, तो बाद में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इस 30 मिनट की बैठक में एलएबी के सह-अध्यक्ष त्सेरिंग दोरजे लकरूक और लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा भी मौजूद थे। लकरूक ने बताया कि उन्होंने गृह मंत्री के सामने कई मांगें रखीं। नेताओं ने शाह से आग्रह किया कि वे लद्दाख वार्ता के लिए गृह मंत्रालय की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अध्यक्षता करें। उन्होंने 22 मई की प्रस्तावित उप-समिति की वार्ता को उच्चाधिकार प्राप्त बैठक के स्तर पर अपग्रेड करने का भी अनुरोध किया। अमित शाह ने इन मांगों को फिलहाल यह कहते हुए टाल दिया कि वह अभी आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। सांसद हनीफा ने शाह के हवाले से बताया कि यदि 22 मई की बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती है, तो उसके बाद निश्चित रूप से एक उच्चाधिकार प्राप्त बैठक की जाएगी।

यह बैठक लद्दाख के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है। लगभग सात महीने पहले, 24 सितंबर 2025 को लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर पुलिस फायरिंग हुई थी। इस हिंसक घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद, सोनम वांगचुक पर अपने भाषणों के जरिए प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप लगा था।

परिवार के चार लोगों की मौत का मामला, तरबूज व अन्य सामग्री में नहीं था जहर

फॉरेंसिक और बैक्टीरियल रिपोर्ट आना बाकी, हत्या की भी आशंका

मुंबई। मुंबई के पायधुनी में बिरयानी और तरबूज खाने के बाद परिवार के चार सदस्यों की मौत को लेकर अब एक-एक कर सारी रिपोर्ट सामने आ रही हैं। एफडीए की जांच में पता चला है कि तरबूज में किसी तरह की कई मिलावट नहीं थी।

एफडीए का कहना है कि तरबूज का रंग या फिर मिठास बढ़ाने के लिए उसमें किसी तरह का केमिकल नहीं मिलाया गया था। ऐसे में मौत के पीछे तरबूज के वजह होने की संभावना बेहद कम है। मौत का शिकार हुए डोकाडिया परिवार के घर में जितने भी खाने-पीने की सामग्री थी सबकी एक-एक कर जांच की गई। किसी अन्य खाने में भी मिलावट या फिर किसी तरह के जहर होने की जानकारी सामने नहीं आई है। अब केवल फरेंसिक रिपोर्ट और बैक्टीरियल टेस्ट की रिपोर्ट आना है। इससे साफ हो सकता है कि आखिर परिवार के चार लोगों की अचानक कैसे मौत हुई।

शुरुआती फरेंसिक जांच में पाया कि मरने वालों के दिमाग समेत कई अंगों का रंग हरा हो गया था। जानकारों का कहना है कि यह कोई सामान्य खाद्य विषाक्तता का मामला नहीं है बल्कि गंभीर अध्ययन का मामला है। डॉक्टरों को शक है कि किसी ने परिवार को जहर दिया है। अब यह साफ नहीं है कि आखिर जहर किस माध्यम से दिया गया। डॉक्टरों का कहना है कि जिस तरह से अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और कुछ ही घंटों में चारों की मौत हो गई, इस तरह के मामले आम नहीं हैं। जानकारी सामने आई थी कि डोकाडिया परिवार में उस दिन कुछ मेहमान आए थे। उन लोगों ने रात में बाहर से बिरयानी मंगवाई और सबने खाई। रात में मेहमानों के जाने के बाद परिवार ने तरबूज खाया और सुबह 5 बजे से सबकी तबीयत बिगड़ गई। रात 10.30 तक पति-पत्नी और उनकी दो बेटियों की जान चली गई।

इस मामले के पीछे एक और ऐंगल सामने आया है। यह मामला धोखाधड़ी के केस में गवाह होने का था। एक महिला ने अब्दुल्ला डोकाडिया के ही माध्यम से रीयल स्टेट डिवेलपर को कुछ पैसे दिए थे। डिवेलपर पैसा नहीं लौटा पाया। इसके बाद महिला ने 2019 में इस मामले को लेकर एक एफआईआर दर्ज करवाई थी। इस मामले में अब्दुल्ला गवाह थे। अब कोर्ट में इस मामले की सुनवाई भी होनी थी। ऐसे में लोगों को आशंका है कि यह हत्या का ऐंगल भी इस मामले में हो सकता है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मिशन पंजाब : शाह संभालेंगे कमान, ड्रग्स के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी बड़ा अभियान

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल के मैराथन चुनावी अभियान के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने 卐मिशन पंजाब卐 का खाका तैयार किया है, जिसके तहत अमित शाह अब चुनाव होने तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे। इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति के केंद्र में ड्रग्स का मुद्दा रहने वाला है। बताया जा रहा है कि मई महीने से ही पंजाब में नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसकी कमान स्वयं अमित शाह संभालेंगे। इस अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में जागरूकता यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें समय-समय पर केंद्र और राज्य स्तर के दिग्गज नेता भी शिरकत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में सत्ता में होने के कारण भाजपा वहां मजबूत स्थिति में है, लेकिन पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उसे एक बड़े और प्रभावी मुद्दे की तलाश थी। ऐसे में ड्रग्स के खिलाफ यह मुहिम चुनावी बिसात पर एक अहम चाल मानी जा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं को बचाने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बालाघाट
रविवार 03 मई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

तेज आंधी-बारिश से शहर बेहाल, कई इलाकों में जलभराव और पेड़ गिरे

हनुमान चौक बना टापू, वार्ड 1, 2 और 10 में पानी घुसा, बिजली आपूर्ति ठप, प्रशासन राहत कार्य में जुटा

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दो-तीन दिनों से जिले में मौसम के बदलते तेवर देखने को मिल रहे थे, लेकिन शनिवार को आई तेज आंधी और मुसलाधार बारिश ने शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हालात बिगाड़ दिए। अचानक तेज हवाओं और बारिश के कारण पूरे शहर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और जनजीवन प्रभावित हो गया। बारिश इतनी तेज थी कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर देखते ही देखते जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी नदी की तरह बहने लगा, जिससे यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। हनुमान चौक क्षेत्र पूरी तरह पानी में डूब गया और टापू जैसा नजर आने लगा। यहां कई घंटों तक पानी भरा रहा, जिससे राहगीरों और दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों और वार्ड क्रमांक 1, 2 और 10 में स्थिति और गंभीर रही, जहां नालियों से पानी की निकासी नहीं होने के कारण पानी घरों और दुकानों में घुस गया। कई जगह लोगों को पानी निकालने के लिए खुद मशक्कत करनी पड़ी। जलभराव के चलते स्थानीय निवासियों में नगर पालिका की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। तेज आंधी के कारण शहर के अलग-अलग हिस्सों में कई पेड़ और डालियां गिर गईं, जिससे कुछ मार्गों पर आवागमन

बाधित हो गया। वहीं कई स्थानों पर बिजली के तार और केबल टूटने से विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई और कई इलाकों में देर रात तक अंधेरा छाया रहा।घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका और जिला प्रशासन की टीम सक्रिय हुई और विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर गिरे पेड़ों को हटाने, सड़कों को साफ कराने और जलनिकासी की व्यवस्था बनाने का काम शुरू किया। प्रशासन द्वारा लगातार हालात सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि लोगों को अभी भी कई समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

जिले में बीते कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर भीषण गर्मी से परेशान लोगों को आंशिक राहत मिली है, वहीं शुक्रवार 2 मई की दोपहर आई तेज आंधी-तूफान और बेमौसम बारिश ने शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचा दी। दोपहर करीब 1:30 बजे अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ काले बादल छा गए। देखते ही देखते आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई, जो करीब एक से डेढ़ घंटे तक जारी रही। इस दौरान तेज हवाओं की गति इतनी अधिक थी कि शहर के कई प्रमुख स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए, जबकि कई पेड़ों की भारी-भरकम शाखाएं टूटकर सड़कों और वाहनों पर गिर गईं। शहर के प्रमुख मार्गों अंबेडकर चौक, जयस्तंभ चौक सहित अन्य व्यस्त इलाकों में पेड़ गिरने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। कई जगहों पर लोगों को रास्ता बदलकर निकलना पड़ा, जबकि कुछ मार्गों पर घंटों जाम जैसी स्थिति बनी रही। इस आंधी-तूफान का सबसे अधिक नुकसान वाहनों को हुआ। सड़कों और पार्किंग में खड़े चारपहिया एवं दोपहिया वाहन पेड़ों और उनकी शाखाओं की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए। नगर पालिका परिसर में भी वर्षों पुराना एक विशाल पेड़ गिर गया, जिसके नीचे खड़ी कई गाड़ियां दब गईं और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा।

इलेक्ट्रिक बाइक पेड़ के नीचे दबी

विश्वचौराया चौक क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक बाइक पेड़ के नीचे दबकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा शहर के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे कई मामले सामने आए, जहां वाहनों पर पेड़ गिरने से नुकसान हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम गंभीर नहीं रही। कई गांवों में पेड़ों के गिरने से सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर बिजली के खंभे और तार भी क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है। बारिश के चलते शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी गंभीर रूप से सामने आई। हनुमान चौक में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। वहीं वार्ड क्रमांक 1, 2 और 10 सहित कई क्षेत्रों में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहता नजर आया। स्थानीय लोगों ने बताया कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई, जिससे जलभराव की स्थिति बनी। कई घरों के आसपास पानी जमा होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बिजली व्यवस्था भी हुई प्रभावित

तेज आंधी के चलते बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। कई स्थानों पर पेड़ों के गिरने से विद्युत तार टूट गए, जिससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कई घंटों तक बिजली गुल रही। हालांकि विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुटे रहे और देर शाम तक आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया गया। इस अचानक आए मौसम परिवर्तन ने एक ओर जहां गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। जल निकासी, सड़क प्रबंधन और आपदा से निपटने की तैयारियों को लेकर नगर पालिका और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

वार्ड क्रमांक 24 में गिरा मकान

वार्ड क्रमांक 24 की निवासी राधिका गढ़पायले ने बताया कि अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने उनके घर को भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं के चलते उनके मकान की एक दीवार भरभराकर गिर गई, वहीं घर में लगी टीन की छत भी उड़ गई। इस घटना से उनकी गृहस्थी को काफी नुकसान हुआ है। राधिका ने बताया कि जिस समय यह आंधी-तूफान आया, उस वक्त वह अपने दो बच्चों के साथ घर के अंदर सो रही थीं। अचानक तेज आवाज और हलचल से उनकी नींद खुल गई। गनीमत रही कि वे समय रहते जाग गईं, अन्यथा गिरती हुई ईंटों की दीवार उनके ऊपर आ गिरती, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद से पूरा परिवार डरा-सहमा हुआ है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेंडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

चक्रवाती तूफान से बालाघाट में बिजली आपूर्ति प्रभावित, सुधार कार्य जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय बालाघाट में शनिवार 02 मई को दोपहर करीब 2 बजे आए चक्रवाती तूफान के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। कार्यपालन अभियंता श्री रवि कुमरे ने जानकारी देते हुए बताया कि तेज आंधी-तूफान के कारण 33/11 केवी लाइन के लगभग एक दर्जन पोल क्षतिग्रस्त हो गए और लाइनें प्रभावित हुई हैं, वहीं एलटी (लो टेंशन) लाइन के करीब 30 पोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि विद्युत व्यवस्था बहाल करने के लिए विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए लगभग 10 टीमों को मरम्मत कार्य में लगाया गया है। सभी टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से कार्य कर रही हैं, ताकि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुचारू की जा सके। कार्यपालन अभियंता श्री कुमरे ने आश्वस्त किया कि सुधार कार्य तेजी से जारी है और शीघ्र ही विद्युत व्यवस्था सामान्य कर दी जाएगी। विभाग ने आमजन से सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

तेज आंधी-तूफान में जर्जर मकान की दीवार छप्पर गिरने से तीन महिलाएं घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम कोसमी टोला में शनिवार दोपहर तेज आंधी-तूफान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। पुराने और जर्जर मकानों की दीवार व छत गिरने से तीन महिलाएं मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 मई को दोपहर करीब 2:30 बजे झामेश्वरी पति रामप्रसाद उपवंशी 45 वर्ष अपने घर के छप्पर के नीचे बैठी थीं। इसी दौरान अचानक तेज आंधी-तूफान आया और मकान की जर्जर दीवार गिर गई जिससे वह मलबे में दब गईं। परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।इसी तरह अंजनी बाई पति लिखन लिल्हारे 68 वर्ष अपने घर के छप्पर में खाना बना रही थीं। उनके पास मेहमान के रूप में आईं रजवंती पति उमेदलाल लिल्हारे 55 वर्ष ग्राम पिंडकई निवासी बैठी थीं। अचानक तेज तूफान के चलते मकान की पुरानी दीवार ढह गई और दोनों महिलाएं मलबे में दब गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां उनका इलाज जारी है।

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-4 पद, युवती 4 पद, मैनेजर 2 पद,
वेतनमान-योग्यता अनुसार
सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड, अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट